पेज 09 में...

16 साल बाद स्पेन वर्ल्ड कप विजेता

साप्ताहिक

शहर सत्ता

PRGI NO. CTHIN/25/A2378

सोमवार, 20 जुलाई से 26 जुलाई 2026

हम दिखाएंगे आईना...

पेज 12 में...

सुशासन का सशक्त अंक 1076

वर्ष : 02 अंक : 20 पृष्ठ : 12 मूल्य : 5 रुपए www.shaharsatta.com

पेज 06 डिलिमिटेशन बिल को सपोर्ट नहीं करेगी कांग्रेस

सुशासन और पारदर्शी प्रशासन पर देश की मुहर

इन्वेस्टमेंट फ्रेंडलीनेस इंडेक्स में छत्तीसगढ़ नंबर- 1

मुख्य संवाददाता/प्रदीप चंद्रवंशी
मोबाईल नंबर 7000681023

नए उद्योगों और कारोबार के लिए हमारा छत्तीसगढ़ देशभर के कई बड़े राज्यों में अब शुमार हो गया है। इन्वेस्टमेंट फ्रेंडलीनेस इंडेक्स में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन, और पारदर्शी प्रशासन की वजह से नए निवेशकों के लिए देशभर में छत्तीसगढ़ भी अहम् माना जा रहा है। क्रिसिल नीति आयोग के इन्वेस्टमेंट फ्रेंडलीनेस इंडेक्स (आईएफआई)2026 में हमने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं।

सीएम साय ने कहा अनुकूल वातावरण पर देश की मुहर

सुशासन की नीतियों व संस्थागत माहौल से बढ़ा भरोसा

प्रदेश में उद्योगों और कारोबारियों के लिए बेहतरीन अवसर

शहर सत्ता/ रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य में साय के सुशासन और पारदर्शीय प्रशासन का ही कमाल है कि निवेशकों के भरोसे से जुड़े दो सबसे महत्वपूर्ण मानकों और नियमों में आसानी के साथ साथ संस्थागत माहौल में देश के बड़े राज्यों में पहला स्थान छत्तीसगढ़ को प्राप्त हुआ है। वहीँ पर्यावरणीय लचीलापन के लिए तय मानकों में भी छत्तीसगढ़ को देशभर में दूसरा स्थान मिला है। कुल 47.5 अंकों के साथ राज्य 17 बड़े राज्यों में 9वें स्थान पर रहा। यह उपलब्धि इसलिए भी खास हो जाती है क्यों कि निवेशक ऐसे राज्यों को अनुकूल मानते हैं। यही मानक राज्य के कुशल नेतृत्व और पारदर्शी प्रशासनिक व्यवस्था को भी दर्शाता है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में लागू किए गए सुधारों और प्रशासनिक कसावट की सकारात्मक प्रभाव अब राष्ट्रीय स्तर पर भी परिलक्षित होने लगा है।

देश ने लगाया प्रदेश में अनुकूल वातावरण पर मुहर

“सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि क्रिसिल-नीति आयोग इन्वेस्टमेंट फ्रेंडलीनेस इंडेक्स 2026 में छत्तीसगढ़ का प्रदर्शन हमारी सुशासन आधारित नीतियों, पारदर्शी प्रशासन और निवेशक अनुकूल वातावरण वाले प्रदेश होने पर देश ने मुहर लगाई है। नियमों में आसानी संस्थागत माहौल में देश के बड़े राज्यों में प्रथम स्थान प्राप्त होना इस बात का प्रमाण है कि हमने उद्योगों और निवेशकों के लिए भरोसेमंद, सरल और तेज व्यवस्था विकसित की है।”

देश के बड़े राज्यों से ज्यादा प्रदेश के नियमों में आसानी

रेगुलेटरी ईज मानक में छत्तीसगढ़ को 12 में से 8.4 अंक प्राप्त हुए हैं जो राजस्थान, पंजाब, गुजरात, तमिलनाडु जैसे राज्यों से अधिक है।

12 में से **8.4** अंक

इस मानक में उद्योगों को मिलने वाली मंजूरियों की गति, एनओसी, निर्माण अनुज्ञा, बिजली-पानी कनेक्शन वाणिज्यिक न्यायालयों की कार्यक्षमता तथा कारोबार बंद करने की प्रक्रिया का मूल्यांकन किया जाता है।

छत्तीसगढ़	राजस्थान	पंजाब	गुजरात	तमिलनाडु
8.4	7.8	7.6	7.2	6.9

रेगुलेटरी ईज मानक में छत्तीसगढ़ का ये आकलन हुआ

इस मानक श्रेणी में पहला स्थान मिलने का अर्थ है कि छत्तीसगढ़ में उद्योगों और कारोबारियों को कम बाधाएं, तेज मंजूरियां, कम अनुपालन लागत और अधिक पारदर्शी व्यवस्था का लाभ मिल रहा है।

- तेज मंजूरियां
- कम बाधाएं
- कम अनुपालन लागत
- अधिक पारदर्शी व्यवस्था
- उद्योगों के लिए भरोसेमंद माहौल
- निवेश को बढ़ावा, रोजगार को प्रोत्साहन

संस्थागत माहौल के मानकों में छत्तीसगढ़ का प्रदर्शन बेहतर

संस्थागत माहौल के मानकों में छत्तीसगढ़ को 6 में से 4.5 अंक मिले हैं। जो पंजाब, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु से अधिक है।

6 में से **4.5** अंक

छत्तीसगढ़	पंजाब	मध्य प्रदेश	तमिलनाडु
4.5	4.2	3.9	3.7

इस मानक में शासन की गुणवत्ता, आर्थिक अपराध, साइबर क्राइम, श्रमिक विवाद, नीतिगत स्थिरता और शिकायत निवारण प्रणाली का आकलन किया जाता है।

- शासन की गुणवत्ता
- आर्थिक अपराध
- साइबर क्राइम
- श्रमिक विवाद
- नीतिगत स्थिरता
- शिकायत निवारण प्रणाली

निवेशकों के लिए छत्तीसगढ़ क्यों है बेहतर

- निवेशक अनुकूल नीतियां
- पारदर्शी और सरल प्रशासन
- समयबद्ध मंजूरियां
- उद्योगों को हर संभव सहयोग
- रोजगार और आर्थिक विकास को गति

डॉक्टर रमन सिर्फ नाम ही काफी है....

फ़रवरी 2024 से जुलाई 2026 तक 8 सत्रों में रही संसदीय मर्यादा कायम

शहर सत्ता/रायपुर। संसदीय औपचारिकता से शुरुआत की गई और छत्तीसगढ़ के मानसून सत्र के पहले दिन से लेकर आखरी दिन तक कार्रवाई हंगामेदार रही। सियासी ट्रेम्प्रेचर इतना था कि विपक्ष तो विपक्ष सत्ता पक्ष के चिरपरिचित वरिष्ठ विधायक अपनी ही सरकार पर हमलावर दिखे। कई दफा विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह को संसदीय कार्यों के लिए तल्ख़, समझाईश भरे और हलके-फुल्के अंदाज़ में सदन चलाना पड़ा। एक वक्त था जब लगातार तीन बार के संवेदनशील मुख्यमंत्री रहे डॉ रमन को सख्त होते हुए भी लोगों ने देखा। हालांकि उनके इस अंदाज़ से कमतर ही वाकिफ हैं क्योंकि वे गुस्सैल प्रवृति के नहीं हैं। संभवतयः इसलिए भी सत्ता पक्ष के साथ साथ उन्होंने विपक्ष को भी मानसून सत्र में बराबर का मौका दिया। एक बार फिर डॉक्टर रमन ने अपनी राजनीतिक सूझबूझ और संसदीय कार्यानुभव का परिचय देते हुए अब तक सभी सत्रों का सफलतापूर्वक संचालन करने में कामयाब रहे।

तीजन बाई को श्रद्धांजलि के साथ हुई शुरुआत, पहले ही दिन हंगामे की भेंट चढ़ी कार्यवाही

छत्तीसगढ़ विधानसभा का पांच दिवसीय मानसून सत्र सोमवार को पंडवानी की विश्वविख्यात गायिका और पद्म विभूषण सम्मानित डॉ. तीजन बाई को श्रद्धांजलि के साथ शुरू हुआ। सदन की शुरुआत शोक प्रस्ताव से हुई, जिसमें विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सहित सभी दलों के नेताओं ने उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। सदन ने उनके सम्मान में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। हालांकि शोक प्रस्ताव के बाद सदन का माहौल जल्द ही राजनीतिक टकराव में बदल गया। विपक्ष ने अयोध्या राम मंदिर से जुड़े चंदा विवाद सहित कई मुद्दों पर चर्चा की मांग करते हुए स्थगन प्रस्ताव रखा। विधानसभा अध्यक्ष ने यह कहते हुए प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया कि मामला राज्य के अधिकार क्षेत्र से बाहर है। इसके बाद विपक्षी सदस्यों ने नारेबाजी शुरू कर दी, जिससे सदन की कार्यवाही कई बार बाधित हुई और अंततः दिनभर के लिए स्थगित करनी पड़ी।

विपक्ष ने 7870 प्रश्न जबकि सत्ता पक्ष ने 4689 प्रश्न सरकार से पूछे

- फरवरी 2024 से जुलाई 2026 तक के आठ सत्रों में विधायकों ने कुल 12559 प्रश्न लगाए
- सत्ता पक्ष के विधायक धरमलाल कौशिक, अजय चंद्राकर, भावना बोहरा ने 284-284 प्रश्न पूछे
- विपक्ष ने 7870 प्रश्न लगाए थे कांग्रेस विधायक भोलाराम साहू ने भी 284 प्रश्न पूछे हैं
- भाजपा विधायकों में पुन्नुलाल मोहले 283, धर्मजीत सिंह 280 और सुशांत शुक्ला 271 प्रश्न पूछे
- कांग्रेस की ओर से अंबिका मरकाम 280, दलेश्वर साहू 280 और बालेश्वर साहू 279 ने ज्यादा सवाल किए
- नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने 276, शेषराज हरवंश ने 272. पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सिर्फ 89 प्रश्न लगाए
- छत्तीसगढ़ विधानसभा 2026 पांच बैठकों में मानसून सत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायकों ने कुल 1033 सवाल पूछे
- भाजपा से अजय चंद्राकर, धरमलाल कौशिक और कांग्रेस से चरण दास महंत, कवासी लखमा, उमेश पटेल ने 20-20 प्रश्न किए

एक बैठक के लिए एक सदस्य से अधिकतम 4 प्रश्न

छत्तीसगढ़ विधानसभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमावली का नियम 31 सदन में सदस्यों द्वारा पूछे जाने वाले प्रश्नों की संख्या को सीमित करता है। इस नियम के तहत, विधानसभा की एक बैठक के लिए किसी एक सदस्य के अधिकतम चार प्रश्न ही विचार में लिए जाते है।

मानसून सत्र के दौरान 5 बैठकें हुई। इस तरह से एक विधायक से अधिकतम 20 प्रश्न लिए गए। 36 सदस्यों ने सबसे अधिक 20-20 सवालों के जवाब मांगे।

7 विधेयक पारित हुए

- छत्तीसगढ़ औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन (संशोधन)
- छत्तीसगढ़ भाड़ा नियंत्रण (संशोधन)
- छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) (संशोधन)
- छत्तीसगढ़ मूल्य संवर्धित कर (संशोधन)
- छत्तीसगढ़ माल और सेवा कर (संशोधन)
- छत्तीसगढ़ अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा (संशोधन)
- छत्तीसगढ़ ईज ऑफ डूइंग बिजनेस विधेयक 2026

मानसून सत्र में इन मुद्दों पर गरमाई सियासत

राम मंदिर चढ़ावा विवाद: सत्र के पहले दिन अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा विवाद पर जमकर हंगामा हुआ। विपक्ष ने करोड़ों रामभक्तों की आस्था से ज़ुड़ा मामला बताते हुए सदन में चर्चा की मांग की। जबकि सरकार ने इसे छत्तीसगढ़ के अधिकार क्षेत्र से बाहर का विषय बताया।

नक्सलवाद के खिलाफ अभियान: केंद्र सरकार के सहयोग के लिए धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। इसमें विपक्ष ने हिस्सा नहीं लिया। कांग्रेस के इस रवैये को भाजपा ने दुर्भाग्यपूर्ण बताया।

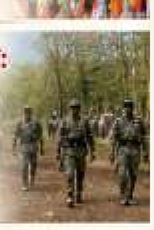

नकटी बुलडोजर कार्रवाई पर टकराव: इस मुद्दे को लेकर पक्ष और विपक्ष दोनों के बीच तीखी बहस हुई। विपक्ष ने इस मुद्दे पर स्थगन का प्रस्ताव पेश किया, जिसे आसंदी ने अग्राह्य किया। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि नकटी गांव में गरीब परिवारों के मकानों पर बुलडोजर चलाकर उन्हें उजाड़ दिया गया। कार्रवाई प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों और संविधान के खिलाफ थी। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कार्रवाई को वैधानिक बताया।

औद्योगिक क्षेत्रों में बढ़ते हादसे: महतारी वंदन, इंद्रावती टाइगर रिजर्व में तीन बाघों के शिकार और तस्करी का मामला, राशन कार्ड, जल जीवन मिशन में अनियमितता जैसे मुद्दे छाए रहे।

अंतिम दिन लाया गया अविश्वास प्रस्ताव

नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने साय सरकार के खिलाफ 136 बिंदुओं का आरोप पत्र पेश करते हुए अविश्वास प्रस्ताव सदन में रखा। कांग्रेस द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर मानसून सत्र के आखिरी दिन चर्चा हुई जो रात 2:40 बजे तक चली। अविश्वास प्रस्ताव अस्वीकृत किया गया। सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव गिर गया। तकरीबन 14:30 घंटे चली चर्चा, CM बोले- अगली बार 70+ सीटें; भूपेश बोले- अदृश्य शक्ति चला रही है साय सरकार। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र के पांचवें और आखिरी दिन करीब 14 घंटे 30 मिनट चली चर्चा के बाद साय सरकार के खिलाफ कांग्रेस का अविश्वास प्रस्ताव ध्वनिमत से गिर गया।

"जवाब देते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि यह सरकार नहीं, तीन करोड़ छत्तीसगढ़वासियों के जनादेश के खिलाफ लाया गया प्रस्ताव है। उन्होंने दावा किया कि अगला विधानसभा चुनाव भी भाजपा जीतेगी और इस बार 70 से ज्यादा सीटें आएंगी, जबकि कांग्रेस अगले 25 साल तक सत्ता में नहीं लौटेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासी किसान का बेटा मुख्यमंत्री बना है, यही बात कांग्रेस को पच नहीं रही। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर घोटालों, वादाखिलाफी और दिल्ली का 'ATM' बनने का आरोप भी लगाया। चर्चा में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सरकार पर किसानों, खाद संकट, धान खरीदी, कानून-व्यवस्था, महतारी वंदन, राशन, स्वास्थ्य और आदिवासी मुद्दों पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों को ठग रही है, खाद की किल्लत है, धान खरीदी व्यवस्था फेल है और कानून-व्यवस्था बिगड़ चुकी है। बघेल ने तमनार, हसदेव, महादेव ऐप, नकली खाद और पेसा कानून जैसे मुद्दे उठाते हुए सरकार पर जनता विरोधी फैसले लेने का आरोप लगाया। साथ ही कहा कि अदृश्य शक्ति सरकार चला रही है।

विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर उद्बोधन

छत्तीसगढ़ विधानसभा

अब तक 10 बार अविश्वास प्रस्ताव पर हो चुकी है चर्चा

छत्तीसगढ़ विधानसभा के इतिहास में अब तक 10 बार अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा हो चुकी है। हर बार सरकार बहुमत साबित करने में सफल रही है। पहली विधानसभा में तत्कालीन मुख्यमंत्री अजीत जोगी के खिलाफ 2002 और 2003 में भाजपा ने दो बार अविश्वास प्रस्ताव लाया था। इसके बाद डॉ. रमन सिंह सरकार के खिलाफ 2007, 2011, 2015, 2017 और 2018 में कुल पांच बार कांग्रेस ने अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। वहीं भूपेश बघेल सरकार के खिलाफ 2022 और 2023 में भाजपा अविश्वास प्रस्ताव लेकर आई। इन सभी प्रस्तावों पर लंबी बहस हुई, लेकिन कोई भी पारित नहीं हो सका। सबसे लंबी चर्चा जुलाई 2015 में डॉ. रमन सिंह सरकार के खिलाफ आए अविश्वास प्रस्ताव पर हुई थी, जो 24 घंटे 25 मिनट तक चली थी।

एक ही परिवार में पांच मौतें, पत्नी-बच्चों को मिठाई में जहर देने की आशंका

रसगुल्ला-पेड़ा लेकर आया था कारोबारी, बेटे को कॉल करके बुलाया था घर

रायपुर। रायपुर के संजय नगर में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत ने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया है। बैटरी कारोबारी साजिद अली, उसकी पत्नी, बेटा और दो बेटियों के शव शुक्रवार रात घर के अंदर मिले थे। शुरुआती जांच के मुताबिक साजिद ने पत्नी और तीन बच्चों को खाने में जहर दे दिया। खुद भी फांसी लगा ली। पुलिस के मुताबिक वारदात से पहले साजिद ने गुरुवार रात करीब 12:30 बजे अपने बेटे इरशाद को फोन कर तुरंत घर आने के लिए कहा था। बताया जा रहा है कि उसने बेटे को डांटते हुए बुलाया और घर आने के बाद परिवार के साथ मिठाई भी खिलाई। साजिद बाजार से रसगुल्ला और पेड़ा लेकर आया था। इसके बाद साजिद के अलावा परिवार का कोई भी सदस्य घर से बाहर नहीं निकला। शनिवार शाम पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद सभी शव परिजनों को सौंप दिए गए। देर रात करीब 9 बजे परिवार के पांचों सदस्यों का एक साथ अंतिम संस्कार किया गया।

सीसीटीवी और स्थानीय लोगों के अनुसार शुक्रवार सुबह करीब 9 बजे साजिद कुछ मिनट के लिए घर से बाहर निकला था। वह वॉशरूम जाने के बाद दोबारा घर के भीतर चला गया और फिर बाहर नहीं निकला। पुलिस का शुरुआती अनुमान है कि रात में परिवार के चार सदस्यों को जहर देने के बाद उसने शुक्रवार सुबह खुद भी आत्महत्या कर ली। हालांकि, मौत की वास्तविक वजह फोरेंसिक और पोस्टमॉर्टम की विस्तृत रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

परिवार की दिनचर्या थी सामान्य

जांच में सामने आया कि गुरुवार दोपहर साजिद की पत्नी राबिया बानो मोहल्ले के एक दर्जी के यहां कपड़ों का नाप देने गई थीं। उन्होंने रविवार तक कपड़े तैयार करने के लिए कहा था, क्योंकि परिवार को किसी कार्यक्रम में शामिल होना था। वहीं दोनों बेटियां भी शाम को किराएदार के घर गई थीं और बाद में लौट आई थीं। पुलिस का कहना है कि परिवार के बाकी सदस्यों के व्यवहार में किसी तरह की असामान्यता नहीं दिखी। केवल साजिद पिछले कुछ समय से तनाव में था।

नशे की लत और आर्थिक तंगी की जांच

पुलिस के अनुसार साजिद अली मौदहापारा में बैटरी रिपेयरिंग की दुकान चलाता था। पहले वह ठेला लगाता था, बाद में बैटरी के काम से जुड़ा और अपनी दुकान शुरू की। शुरुआती जांच में सामने आया है कि वह नशे का आदी था और पिछले कुछ महीनों से मानसिक तनाव में रह रहा था। परिवार के लोगों पर गुस्सा करना भी बढ़ गया था। जांच में यह भी पता चला कि वह पिछले करीब 15 सालों से अपने भाइयों और बहनों से अलग-थलग रह रहा था। भिलाई स्थित ससुराल पक्ष से भी उसका संपर्क बेहद कम था। पुलिस को जानकारी मिली है कि कुछ लोग उससे उधार का पैसा मांगने घर आते थे। ऐसे में आर्थिक तंगी और कर्ज की स्थिति भी जांच के दायरे में है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि कहीं उसका पैसा किसी ऑनलाइन गतिविधि, निवेश या अन्य विवाद में तो नहीं फंसा था, जिसकी वजह से वह मानसिक दबाव में था।

युवक की जलने से मौत, दोस्तों पर पेट्रोल डालकर आग लगाने का आरोप

रायपुर। सुयश अस्पताल के पीछे हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के पास खाली मैदान में विवाद के बाद युवकों ने कथित तौर पर अपने ही दोस्त पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। परिजनों के मुताबिक, आरोपी युवक उसे शराब पार्टी का बहाना बनाकर अपने साथ ले गए थे। इस दौरान किसी बात को लेकर विवाद हुआ, जो हिंसक झड़प में बदल गया। इसके बाद आरोपियों ने पीड़ित पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया। 7 दिनों तक इलाज चलने के बाद रविवार को उसकी मौत हो गई। रिश्तेदारों ने पुलिस पर जांच में लापरवाही और आरोपियों की गिरफ्तारी में देरी का आरोप लगाया है। मामला सरस्वती नगर थाना क्षेत्र का है। DCP रोबिनसन गुड़िया के मुताबिक, दोस्त स्कूटी जलाने गए थे। इस दौरान युवक जल गया। मामले में जांच जारी है। जांच के बाद ही घटना के कारणों का पता चल सकेगा।

शिवनाथ-मोटर्स के पूर्व टीम-लीडर पर 10.24 लाख गबन का आरोप

रायपुर। लाभाण्डी स्थित शिवनाथ मोटर्स प्राइवेट लिमिटेड के पूर्व टीम लीडर पर ग्राहकों से कार बुकिंग और डाउन पेमेंट के नाम पर 10.24 लाख रुपए से अधिक की रकम लेकर फरार होने का आरोप लगा है। कंपनी के एचआर मैनेजर की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी नीरज चंद्राकर के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोप है कि उसने ग्राहकों से ली गई रकम कंपनी में जमा नहीं कराई और फरार हो गया। मामला तेलीबांधा थाना क्षेत्र का है।पुलिस के मुताबिक, अमलेश्वर निवासी शिवनाथ मोटर्स प्राइवेट लिमिटेड के एचआर मैनेजर ने शिकायत में बताया कि आरोपी नीरज चंद्राकर 16 फरवरी 2026 से 25 जून 2026 तक कंपनी में टीम लीडर के पद पर कार्यरत था। इस दौरान उसने 11 ग्राहकों से कार बुकिंग और डाउन पेमेंट के नाम पर नकद और ऑनलाइन माध्यम से रकम ली।

सोनम वांगचुक के समर्थन में रायपुर में युवाओं ने किया प्रदर्शन

शहर सत्ता/रायपुर। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के समर्थन में रायपुर में बारिश के बीच 500 से अधिक लोग सड़क पर उतर कर प्रदर्शन किये। प्रदर्शनकारियों ने वांगचुक के समर्थन में नारे लगाए तो वहीँ दिल्ली पुलिस की कार्रवाई के खिलाफ नाराजगी प्रदर्शित किया। प्रदर्शनकारियों ने शिक्षा मंत्री का इस्तीफा की मांगा भी किए।

राजधानी रायपुर के डॉ. भीमराव अंबेडकर चौक पर रविवार को स्टूडेंट्स, यूथ और अलग-अलग सामाजिक संगठनों के बैनर तले 500 से ज्यादा लोग सोनम वांगचुक के समर्थन में सड़क पर उतरे। शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान शिक्षा व्यवस्था में सुधार, देशभर में लगातार हो रहे पेपर लीक पर सख्त रोक और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग उठाई गई। प्रदर्शन में शामिल स्टूडेंट्स और यूथ ने कहा कि शिक्षा और रोजगार जैसे मुद्दों पर अब सिर्फ आश्वासन नहीं, बल्कि ठोस कार्रवाई की जरूरत है। उनका कहा नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर शिक्षा और युवाओं के मुद्दों पर सोनम वांगचुक के साथ देशभर का यूथ खड़ा है।

प्रतिनिधिमंडल ने जिला प्रशासन के माध्यम से छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में परीक्षा प्रणाली को पारदर्शी बनाने, पेपर लीक पर प्रभावी रोक लगाने और यूथ से जुड़े मुद्दों पर केंद्र सरकार से गंभीर पहल करने की मांग की गई।

ये दुनिया मेरे काम की नहीं...

छत्तीसगढ़ के लोकभावन (राजभवन) मार्ग से लेकर मुख्य आयकर आयुक्त के पुराने कार्यालय और आकाशवाणी दफ्तर से काली मंदिर चौक के रस्ते में दिन हो या रात एक काली परछाई बरबस ही ध्यान खींचती है। महज 25-28 वर्ष का यह युवक ख़ामोशी से इन रास्तों में चहल कदमी करता रहता है। पास ही की एक बस्ती में रिश्तेदार और कुछ परिजन रहते हैं लेकिन इसको देखकर लगता है कि इसे रिश्ता, रोटी, कपडा और मकान नहीं चाहिए। उसकी स्थिति देखकर यह नहीं कहा जा सकता कि वह यहां क्यों है और क्या कर रहा है। समझदार तो नहीं लगता...लेकिन क्या पूरा सिस्टम भी इससे नजरें फेर लिया है? लाखों रूपये बजट वाला समाज कल्याण विभाग और एनजीओ भी राजधानी की सड़कों में भटकते ऐसों की सुध नहीं लेता यह शर्मनाक है। आकाशवाणी चौक काली मंदिर में भी कई भक्त आते हैं वो सब भी इहलोक नहीं परलोक सुधारने में लगे है...ऐसे में इन जैसों की सुधी कौन लेगा 'साहब'।

फोटो कैप्शन : प्रदीप डडसेना

‘मार्तंड उत्सव’ के बाद अब प्रेस क्लब में “दृश्य संवाद 2026

शहर सत्ता/रायपुर। हिंदी पत्रकारिता के द्विशताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित 'मार्तंड उत्सव' की श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए रायपुर प्रेस क्लब विश्व फोटोग्राफी दिवस के उपलक्ष्य में 19 से 21 अगस्त तक तीन दिवसीय विशेष आयोजन "दृश्य संवाद 2036 : छायाकार समागम" आयोजित करेगा। इस आयोजन के माध्यम से फोटो पत्रकारिता, फोटो प्रदर्शनी और फोटो ग्राफी का तकनीकी प्रशिक्षण ,फोटोग्राफी की सृजनात्मक दुनिया को एक साझा मंच प्रदान किया जाएगा।

आयोजन की रूपरेखा को अंतिम रूप देने के लिए रविवार को प्रेस क्लब की कार्यकारिणी की बैठक अध्यक्ष मोहन तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में विस्तृत विचार-विमर्श के बाद कार्यक्रम को भव्य एवं व्यापक स्वरूप देने का निर्णय लिया गया। इसके बाद प्रेस क्लब पदाधिकारियों ने फोटो जर्नलिस्ट प्रकोष्ठ के साथियों के साथ अलग से बैठक कर आयोजन की विस्तृत रूपरेखा पर सुझाव लिए। बैठक में 2 अगस्त को आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की गई। साथ ही 15 अगस्त को आयोजित होने वाले प्रेस क्लब परिवार के वार्षिक पिकनिक कार्यक्रम की तैयारियों पर प्रारंभिक चर्चा हुई। इसके अलावा सदस्यता संबंधी निराकरण की प्रगति तथा प्रेस क्लब के जीर्णोद्धार एवं विकास कार्यों की अद्यतन जानकारी भी अध्यक्ष द्वारा कार्यकारिणी के समक्ष साझा की गई।

बैठक में प्रेस क्लब के महासचिव गौरव शर्मा, उपाध्यक्ष दिलीप साहू, कोषाध्यक्ष दिनेश यदु, संयुक्त सचिव निवेदिता साहू एवं भूपेंद्र जांगड़े, कार्यकारिणी सदस्य संतोष साहू , ज़ाकिर घुड़सेना, नीरज मिश्रा, संजीव सिन्हा, सहित फोटो जर्नलिस्ट प्रकोष्ठ के संयोजक दीपक पांडे, किशन लोखंडे, विनय घाडगे, मनोज देवांगन, दीपेश सोनी, रमन हवाई, विजय देवांगन, जय पुरी गोस्वामी,तथा बड़ी संख्या में फोटो जर्नलिस्ट और छायाकार उपस्थित रहे।

1000 करोड़ के फ्रॉड केस में बिजनेसमैन गोयनका गिरफ्तार

MP के भाजपा विधायक के परिवार की कंपनियों पर कब्जे का आरोप, 10 दिन की रिमांड

महेंद्र गोयनका कौन हैं?

महेंद्र गोयनका मूल रूप से मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले के कोतमा के रहने वाले हैं और वर्तमान में रायपुर (छत्तीसगढ़) में कारोबार करते हैं। वे पहले यूरो प्रतीक इस्पात इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में प्रबंधन के अहम पद पर कार्यरत थे। बाद में कंपनी के प्रबंधन और वित्तीय लेनदेन को लेकर विवाद सामने आए। उन पर फर्जी दस्तावेजों के जरिए कंपनी के नियंत्रण में बदलाव, वित्तीय अनियमितताओं और करीब 1000 करोड़ रुपए की कथित धोखाधड़ी के आरोप हैं।

दिल्ली/भोपाल। छत्तीसगढ़ के रायपुर के कारोबारी महेंद्र गोयनका को कोलकाता पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार किया है। गोयनका पर कटनी के विजयराघवगढ़ से भाजपा विधायक संजय पाठक के परिवार की कंपनियों में करीब 1000 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का आरोप है। कंपनियों पर कब्जा करने की कोशिश का भी आरोप है। गिरफ्तारी के बाद कोलकाता पुलिस ने रविवार को गोयनका को कोलकाता की अदालत में पेश किया। कोर्ट ने 10 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा है। पुलिस वित्तीय गड़बड़ियों, कंपनियों के नियंत्रण में कथित बदलाव और पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका को लेकर पूछताछ करेगी। जांच कई अहम खुलासे हो सकते हैं।

भाजपा विधायक संजय पाठक के परिवार की कंपनी यूरो प्रतीक इस्पात इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का मुख्यालय कोलकाता में है। मूल रूप से अनूपपुर जिले के कोतमा और वर्तमान में रायपुर निवासी महेंद्र गोयनका इसी कंपनी में प्रबंधन के अहम पद पर कार्यरत था। आरोप है कि उसने अपनी पत्नी और सहयोगियों के साथ मिलकर फर्जी दस्तावेजों एवं हस्ताक्षरों के जरिए कंपनी के दो डायरेक्टर्स को हटवाकर उनकी जगह चार अन्य लोगों को डायरेक्टर बनवा दिया। इसके बाद कंपनी के नियंत्रण पर अवैध कब्जा करने की कोशिश की। उस पर कंपनी के वित्तीय लेनदेन में अनियमितता और कंपनी का माल कथित तौर पर छल-कपट से बेचकर गबन करने के भी आरोप हैं।

कोलकाता में दर्ज हुई थी एफआईआर

इन आरोपों के आधार पर 2024 में कोलकाता में भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 120-बी, 467, 468 और 471 समेत अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई थी। इसी मामले में कोलकाता पुलिस ने महेंद्र गोयनका को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया। कंपनी से हटाए गए कटनी निवासी डायरेक्टर्स ने कटनी कोतवाली और माधवनगर थाने में भी जालसाजी और धोखाधड़ी के मामले दर्ज कराए थे। माधवनगर थाने में दर्ज मामलों में महेंद्र गोयनका के अलावा रायपुर निवासी हिमांशु श्रीवास्तव, सन्मति जैन और सुनील अग्रवाल समेत अन्य सहयोगियों को भी आरोपी बनाया गया है।

सुप्रीम कोर्ट से अग्रिम बेल हो चुकी हैं खारिज

जानकारी के अनुसार, इन आरोपियों की अग्रिम जमानत याचिकाएं लोअर कोर्ट, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक खारिज हो चुकी हैं। इसके बावजूद कुछ आरोपी पिछले करीब डेढ़-दो साल से फरार बताए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश पुलिस अब तक उन्हें गिरफ्तार नहीं कर सकी है। 9 मई 2025 को राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (NCLT) की मुंबई पीठ ने एक आदेश में महेंद्र गोयनका और उनकी पत्नी मीनू गोयनका से जुड़े वित्तीय लेनदेन पर गंभीर टिप्पणियां की थीं। इसके अलावा गोयनका की एक अन्य कंपनी निसर्ग इस्पात से जुड़े वित्तीय अनियमितताओं के मामले भी सामने आए हैं।

फर्जी पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट बनाने वाली डॉक्टर गिरफ्तार

बिलासपुर। बिलासपुर में स्नेक बाइट से फर्जी मौत दिखाकर मुआवजा दिलाने के बहुचर्चित मामले में पुलिस ने सिम्स में पदस्थ रहीं महिला डॉक्टर डॉ. प्रियंका सोनी को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि उन्होंने दो मामलों में स्नेक बाइट से मौत की फर्जी पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट तैयार की थी। मामला तोरवा थाना क्षेत्र का है। पुलिस के अनुसार, तहसील कार्यालय के नायब नाजीर की शिकायत पर महमंद निवासी निसार खान और लता सूर्यवंशी की संदिग्ध मौत के मामलों में केस दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। जांच में सामने आया कि दोनों शवों का पोस्टमार्टम तत्कालीन सिम्स चिकित्सक डॉ. प्रियंका सोनी ने किया था और स्नेक बाइट से मौत होने की फर्जी रिपोर्ट तैयार की गई थी। इसी आधार पर पुलिस ने 18 जुलाई को फरार चल रही डॉक्टर को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। बता दें कि इससे पहले इस मामले में दो मृतकों के रिश्तेदार और एक वकील समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। इसके अलावा स्नेक बाइट के 15 मामलों की जांच के दायरे में 4-5 और डॉक्टर भी हैं।

ऑपरेशन विश्वास...दुर्ग पुलिस ने 21 शराब तस्कर पकड़े

दुर्ग। पुलिस ने जिले में नशे के कारोबार के खिलाफ एक ही दिन में बड़ी कार्रवाई की है। इस दौरान अवैध शराब और गांजा तस्करों पर शिकंजा कसा गया। "ऑपरेशन विश्वास" के तहत 11 थाना क्षेत्रों में 21 शराब तस्करों को गिरफ्तार किया गया। वहीं, भिलाई में एक नाबालिग से 2.21 किलोग्राम गांजा और एक स्कूटी जब्त की गई। यह कार्रवाई "ऑपरेशन विश्वास" के तहत 17 और 18 जुलाई को की गई। दुर्ग जिले के नंदिनी नगर, उतई, जामगांव (आर), अमलेश्वर, जामुल, पद्मनाभपुर, नेवई, पुलगांव, दुर्ग, धमधा और सुपेला सहित 11 थाना क्षेत्रों में 18 अलग-अलग स्थानों पर एक साथ दबिश दी गई। इस दौरान अवैध शराब के परिवहन और बिक्री में शामिल 21 आरोपियों को पकड़ा गया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से 590 पौवा अवैध शराब, 60,550 रुपये नकद और अपराध में इस्तेमाल की गई 9 स्कूटी और बाइकें जब्त कीं। जब्त की गई सामग्री का कुल अनुमानित मूल्य लगभग 4.50 लाख रुपए बताया गया है। दूसरी कार्रवाई में, भिलाई नगर थाना पुलिस ने सेक्टर-6 स्थित अक्षय पात्र के सामने से एक अपचारी बालक को गांजा बेचने की तैयारी करते हुए पकड़ा। उसके पास से 2.210 किलोग्राम गांजा और एक स्कूटी जब्त की गई। आरोपी ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में अवैध शराब की सप्लाई कर अधिक मुनाफा कमा रहे थे। मुखबिर से मिली सूचना के बाद पुलिस ने एक साथ दबिश देकर पूरे नेटवर्क को झटका दिया।

सूरजपुर में लगातार बारिश में बह गया पुल:दर्जनों गांवों का संपर्क टूटा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मौसम विभाग ने अगले 48 घंटे के लिए भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग समेत अधिकांश जिलों में बारिश का दौर जारी है। लगातार बारिश से सूरजपुर जिले के गोबरी नदी पर बना रपटा पुल टूट गया, इससे दर्जनों गांवों का जिला मुख्यालय से संपर्क टूट गया है। डबरीपारा, बासापारा, शिवप्रसाद नगर सहित दर्जनों गांव, जो नेशनल हाइवे-43 से जुड़े हैं, उनका संपर्क प्रभावित हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि यह पुल 1 महीने पहले ही बना था। वहीं, मुंगेली जिले में पिछले 2 दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण मनियारी और आगर नदियां उफान पर हैं। मनियारी नदी पर स्थित कारीडोंगरी पुल पानी में डूब गया है, जिससे लोरमी ब्लॉक मुख्यालय से लगभग 20 वनग्रामों का सीधा संपर्क टूट गया है। जिले के सभी छोटे-बड़े बांध भर चुके हैं। कारीडोंगरी पुल के ऊपर तीन फीट पानी बह रहा है। प्रशासन ने एहतियात के तौर पर पुल के दोनों ओर बैरिकेडिंग कर आवागमन बंद कर दिया है।

रक्षाबंधन पर अनोखी बीज राखियां बिखेरेंगी हरियाली का संदेश

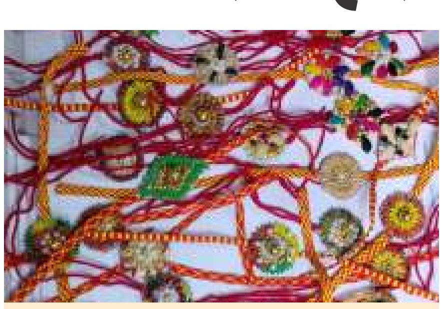

- धरती मां को उपहार की थीम पर बिहान की अभिनव पहल

शहर सत्ता/रायपुर। रक्षाबंधन पर केवल भाई-बहन का प्रेम ही नहीं, बल्कि प्रकृति और पर्यावरण के संरक्षण का संदेश भी दिया जा सकता है। पेड़ों को राखी बांधकर उन्हें अपनी रक्षा का वचन देना और मिट्टी से बने इको-फ्रेंडली पौधे वाली राखियों का इस्तेमाल पर्यावरण को हरा-भरा रखने में मदद करता है। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में स्व-सहायता समूहों की दीदियां इस बार रक्षाबंधन के पर्व को प्रकृति संरक्षण से जोड़ने की एक अनूठी मिसाल पेश कर रही हैं। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में जिला पंचायत रायगढ़ और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के सहयोग से जिले भर में पर्यावरण-अनुकूल बीज राखियां तैयार की जा रही हैं।

इन राखियों की सबसे विशेष बात यह है कि इन्हें धान, मक्का, भुट्टा, सेमी, करेला और बरबटी जैसे विभिन्न देसी बीजों से बेहद आकर्षक ढंग से बनाया जा रहा है। यदि त्योहार के बाद यह राखी मिट्टी में मिल जाती है या बाहर फेंक दी जाती है, तो इसमें लगे बीज अंकुरित होकर पौधे का रूप ले लेंगे।

गांव-गांव में दिख रहा उत्साह

जिले के सभी सातों विकासखंडों में इस अभियान को लेकर महिलाओं में भारी उत्साह है। धरमजयगढ़ के ग्राम दुलियामुड़ा-कोयलार में कृष्णा स्व-सहायता समूह की सक्रिय महिला कविता राठिया ने आकर्षक बीज राखियां तैयार कर मिसाल पेश की है। रायगढ़ के बैसपाली, जुनवानी, लोइंग, गोपालपुर, संबलपुरी, लैलूंगा, तमनार के लिबरा गांव (जननी समूह), घरघोड़ा के बड़ेगुमड़ा (गायत्री समूह) और पुसौर के पुटकापुरी क्लस्टर सहित जिले भर की कृषि सखियां और महिलाएं इस कार्य में जुटी हुई हैं।

सातों विकासखंडों से चुनी जाएगी सर्वश्रेष्ठ बीज राखी

रायगढ़ जिले के सभी सातों विकासखंडों में इस रचनात्मकता और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए कल यानी 20 जुलाई को जिले के सभी सात विकासखंडों से एक-एक सर्वश्रेष्ठ बीज राखी का चयन किया जाएगा। चयन का आधार राखी की आकर्षक डिज़ाइन, देसी बीजों का उपयोग और पर्यावरण संरक्षण का संदेश जैसी खूबियों को बनाया जाएगा। प्रतियोगिता में चुनी जाने वाली सातों विकासखंडों की विजेता दीदियों को 27 जुलाई को एक विशेष गरिमामय समारोह में सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर ये दीदियां स्वयं कलेक्टर सहित जिले के शीर्ष अधिकारियों को अपने हाथों से बनाई हुई बीज राखी बाधेंगी। बिहान की दीदियों द्वारा शुरू किया गया यह अभियान अब केवल एक प्रतियोगिता न रहकर प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी निभाने का एक बड़ा जनआंदोलन बनता जा रहा है।

बरसात में खतरनाक जाटलूर नाला से मिली मुक्ति ITBP की मदद से 250 फीट लंबा पुल तैयार

बस्तर में विकास की चाह और सुशासन की राह नक्सलवाद पर पड़ी भारी

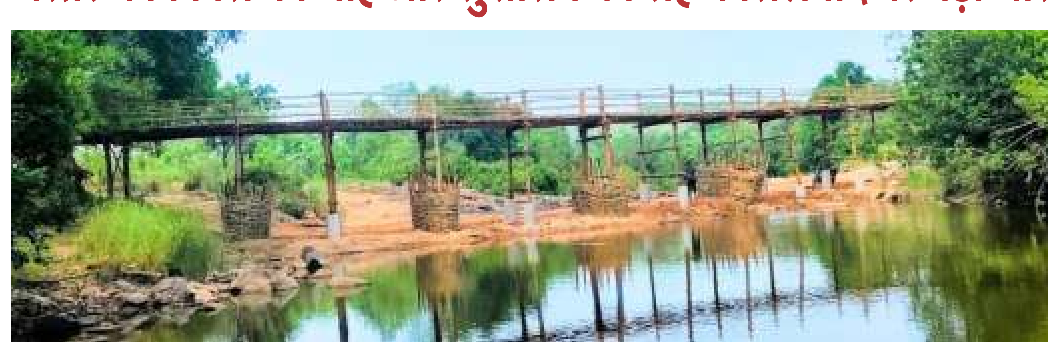

शहर सत्ता/न्यूज डेस्क। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर ज़िले के अति-दुर्गम इलाके में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के जवानों और स्थानीय ग्रामीणों ने मिलकर के जाटलूर नाला पर श्रमदान से एक 250 फीट लंबा अस्थायी पुल का निर्माण किया है। इस पुल के बन जाने से कई गांवों का संपर्क आपस में जुड़ गया है, जिससे आवागमन और आपातकालीन सुविधाओं की राह काफी आसान हो गई है।

पूर्व के नक्सल प्रभावित और दुर्गम क्षेत्रों में विकास की एक नई इबारत लिखते हुए भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) बल ने स्थानीय नागरिकों के साथ मिलकर सुरक्षा और विश्वास का एक नया सेतु तैयार किया है। आईटीबीपी की 38वीं वाहिनी ने घोर नक्सल प्रभावित जाटलूर नाला पर 250 फीट लंबे लकड़ी के फुट सस्पेंशन ब्रिज का निर्माण पूरा कर लिया है। केंद्रीय सीमांत मुख्यालय के महानिरीक्षक श्री अजय पाल सिंह ने आज एक गरिमामय समारोह में इस पुल का विधिवत लोकार्पण किया। यह नवनिर्मित पुल पिछले वर्ष नवंबर में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर शहीद अमोल माधव राव महस्के की स्मृति में उन्हें समर्पित किया जाएगा।

श्रमदान और स्थानीय संसाधनों की मिसाल

लगभग 250 फीट लंबा, 5 फीट चौड़ा और 15 फीट ऊँचा यह पुल सुरक्षा बलों के जवानों और स्थानीय ग्रामीणों के अटूट विश्वास तथा संयुक्त श्रमदान का परिणाम है। स्थानीय संसाधनों का कुशलता से उपयोग कर बनाए गए इस पुल से अब ग्रामीणों को वर्षा ऋतु में उफनते जाटलूर नाला को पार करने के जोखिम से मुक्ति मिलेगी। यह पुल स्थानीय विद्यार्थियों, ग्रामीणों और सुरक्षा बलों के लिए सालभर सुरक्षित और निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करेगा। लोकार्पण समारोह में महानिरीक्षक अजय पाल सिंह के साथ 45 वीं वाहिनी के कमांडेंट, 29वीं वाहिनी के कमांडेंट, 38वीं वाहिनी के द्वितीय कमान और 53वीं वाहिनी के द्वितीय कमान सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर आईटीबीपी द्वारा सिविक एक्शन प्रोग्राम (नागरिक कल्याण कार्यक्रम) का आयोजन भी किया गया। इसके तहत जरूरतमंद ग्रामीणों और स्कूली छात्र-छात्राओं को साइकिलों का वितरण किया गया। जवानों ने ग्रामीणों को स्वरोजगार, कौशल विकास और केंद्र व राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया।

संपादकीय

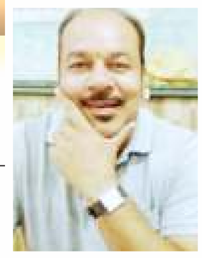

● सुकांत राजपूत

भविष्य और संभावना

मानव सभ्यता की कहानी मूलतः माइग्रेशन की कहानी है। बेहतर अवसरों, सुरक्षा, भोजन और समृद्धि की तलाश में लोग लगातार एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र और एक महाद्वीप से दूसरे महाद्वीप तक जाते रहे हैं। जलवायु-परिवर्तन, संघर्षों और संसाधनों की जरूरत ने दुनिया की जनसांख्यिकी, भाषाओं और संस्कृतियों को आकार दिया है। एक जन्मभूमि का प्रतिनिधित्व करती है और दूसरी मेरी कर्मभूमि का। हममें से अधिकांश लोग शिक्षा, करियर या अपने सपनों की तलाश में कहीं न कहीं माइग्रेट कर चुके हैं। हम एक से अधिक भाषाएं बोलते हैं और भावनात्मक रूप से एक से अधिक स्थानों से जुड़े होते हैं।

मुश्किल तब आती है जब हम अपनी जरुरत के मुताबिक राज्य खोजते हैं और वह किस्मत से मिल भी जाता है। छत्तीसगढ़ भी देश में एक संभावनाओं से भरा प्रदेश बनकर उभरा है। जहां सरप्लस बिजली भी है और पानी के साथ पर्याप्त संसाधन भी। रोजगार के साथ अब कारोबारी निवेशकों के लिए छत्तीसगढ़ में अपार संभावनाएं भी उपलब्ध करवाई जा रही है। नए निवेशकों को दिक्कत नहीं आए इसके लिए भी सुशासन और पारदर्शी प्रशासन सशक्त माध्यम उपलब्ध करवाने में जुटा हुआ है।

अमीर धरती के गरीब लोग कहे जाने वालों के दिन अब बहुरेंगे जब नए निवेश और कारोबार के विकल्प आएंगे। इसके लिए निःस्वार्थ मेहनत भी शासन-प्रशासन कर रहा है। बस दिल एक अनजान खौफ से सिहर उठता है जब क्षेत्रियता और जातिगत संगठन इस पावन धरा की मानसिकता को कलुषित करने लगते हैं। राम राज्य और सुशासन में रहने का सभी का अधिकार है। ऐसे में भाषा, बोली, परंपरा, रीती-रिवाज का भेदभाव करने वालों को नियंत्रित करना होगा। देश के बड़े शहरों और राज्यों में कारोबार और निवेशकों के फलने-फूलने के पीछे की वजह क्षेत्रीयता नहीं होती।

नए उद्योगों और कारोबार के लिए हमारा छत्तीसगढ़ देशभर के कई बड़े राज्यों में अब शुमार हो गया है। इन्वेस्टमेंट फ्रेंडलीनेस इंडेक्स में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन, और पारदर्शी प्रशासन की वजह से नए निवेशकों के लिए देशभर में छत्तीसगढ़ भी अहम् माना जा रहा है। क्रिसिल नीति आयोग के इन्वेस्टमेंट फ्रेंडलीनेस इंडेक्स (आईएफआई)2026 में हमने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। ऐसे में स्थानीय और बाहरी का जहर घोलने वालों को यह समझना होगा कि काबिलियत की कोई हद-सरहद नहीं होती।

स्मार्ट मीटरः बिजली आई, अंधेरा लाई...!

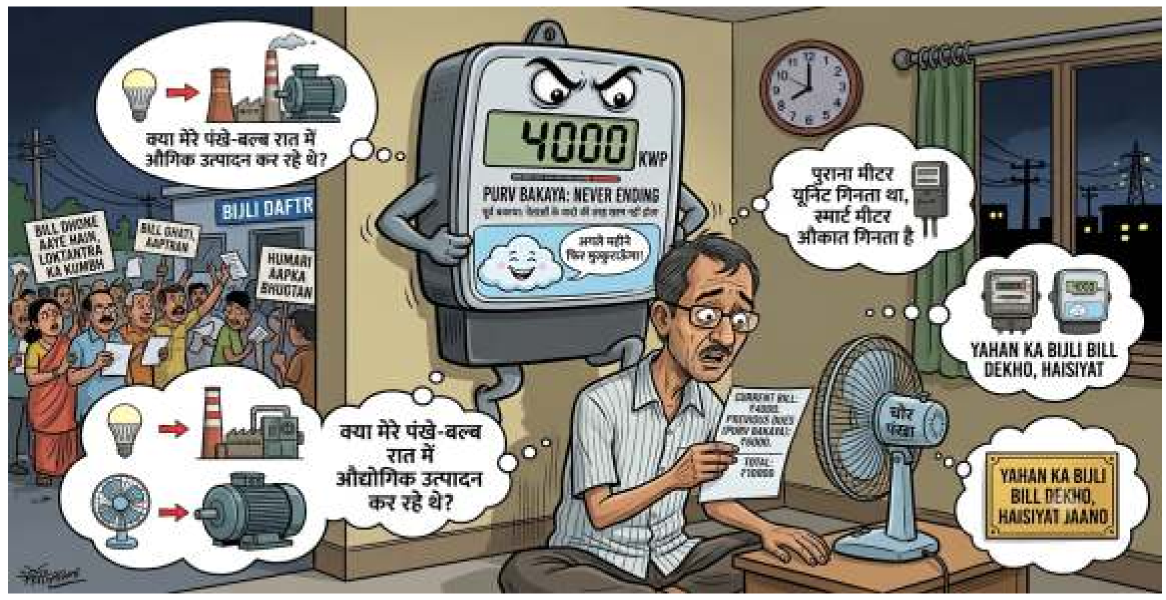

कॉलम - खुरचन
द्वारा- हरिदास

हमारे यहाँ स्मार्ट मीटर आए तो लगा कि बिजली व्यवस्था "स्मार्ट" होगी। आम आदमी ने सोचा, बिल कम आएगा, चोरी रुकेगी, हिसाब साफ होगा। लेकिन हुआ उल्टा। स्मार्ट तो मीटर निकला, उपभोक्ता अपने आपको पहले से ज्यादा मूर्ख महसूस करने लगा है। घर की दीवार पर टंगा बिजली का मीटर देखो तो लगता है वह छाती पर चढ़ बैठा है। पहले मीटर यूनिट गिनता था, लेकिन अब आदमी की औकात गिनने में मशगूल है। जिस आदमी का आठ सौ रुपये का बिल आता था, वह अब चार हजार रुपये का बिल देखकर अपने घर के पंखे को ऐसे घूरता है जैसे वही रात में चोरी-छिपे किसी फैक्ट्री का मोटर चला रहा हो। उसे याद आने लगता है कि कहीं उसकी एलईडी बल्ब ने आधी रात को औद्योगिक उत्पादन तो शुरू नहीं कर दिया था। फिर मज़ा तो तब आता है जब बिल पूरा भर देने के बाद अगले महीने "पूर्व बकाया" फिर मुस्कराता हुआ सामने खड़ा मिलता है। यह ऐसा बकाया है, जो नेताओं के वादों की तरह कभी खत्म नहीं होता। आप जितना चुकाइए, उतना ही नया इतिहास निकल आता है।

जब उपभोक्ता जबरन पूर्व बकाया जोड़ने की शिकायत लेकर बिजली दफ्तर पहुँचता है तो अधिकारी बड़े आत्मविश्वास से बताते हैं—"ओवरलोड पहले जोड़ा नहीं गया था, अब जोड़ दिया है।" यानी गलती हमारी थी, भुगतान आपका होगा। यह वैसा ही न्याय है जैसे पड़ोसी की शादी में मिठाई कम पड़ जाए और बिल मोहल्ले के सबसे सीधे आदमी को थमा दिया जाए।

हर दिन हजारों लोग शिकायत लेकर पहुँच रहे हैं। शिकायतें इतनी हैं कि लगता है बिजली दफ्तर नहीं, लोकतंत्र का कुंभ लगा हो। फर्क सिर्फ इतना है कि वहाँ आस्था से लोग पाप धोने जाते हैं, यहाँ बिल धोने आते हैं। दोनों जगह लौटते समय आदमी पहले से हल्का नहीं, थोड़ा और भारी हो जाता है।

उपभोक्ता डरता भी है। बिल भरो तो जेब कटती है, न भरो तो बिजली कटती है। लोकतंत्र में इसे शायद "विकल्प की स्वतंत्रता" कहते होंगे। हम गर्व करते हैं कि सब कुछ डिजिटल हो रहा है। सच ही है—अब परेशानी भी डिजिटल हो गई है। पहले आदमी मीटर रीडर को ढूंढ़ता था, अब अपने ही बिल का मतलब ढूंढ़ता फिरता है। स्मार्ट मीटर ने एक नया दर्शन दिया है—बिजली चाहे जितनी जलाओ, उससे ज्यादा बिल की कल्पना जलती रहती है। लगता है आने वाले समय में घर के बाहर नेमप्लेट नहीं, सीधे बिजली बिल टांगना पड़ेगा, ताकि लोग हैसियत का अंदाज़ा वहीं से लगा लें। कहते हैं तकनीक जीवन आसान बनाती है। शायद बनाती होगी।

फिलहाल तो इतना जरूर हुआ है कि जनता ने बिजली बचाना कम और अपनी धड़कन बचाना ज्यादा सीख लिया है। हर महीने बिल आने की तारीख अब त्योहार नहीं, परीक्षा परिणाम जैसी लगती है। फर्क बस इतना है कि परीक्षा में फेल होने पर सप्लीमेंट्री मिल जाती है, बिजली के बिल में केवल "पूर्व बकाया" मिलता है।

शहर की आबो-हवा से ऊबकर गाँव पहुँची हमारी "बिजली" अपनी दाई से झल्ला कर कहती है—

"दाई, मोर नाम काबर बिजली रख दे हस?मोर नाव बदल दे। अब मोला अपन नाव बने नई लगय।"

दाई हँसते हुए बोली—"का होगे? एतका सुग्घर नाव, सब झन तारीफ करथें।"

बिजली बोली—

दाई, पहिली मोर नाव सुनके लोग मुस्कुरावत रहिन। अब जइसेच कहिथों—'मोर नाव बिजली हे', बिजली' सुनतेच मुंह लटक जाथे। पहिली पूछथे—'कतेक बिल आथे?'

कोनो कहिथे—'स्मार्ट मीटर वाली बिजली आय का?'

कोनो कहिथे—'तोर संग दोस्ती करबो त महीना भर के कमई बिल मं चल जाही।'

अब तो लइका मन घलो मोला देखके कहिथें—'भागव... बिल आ गे!'

थोड़ी देर चुप रहिके वो फेर बोली—

"दाई, पहिली प्रेमी मन कहत रहिन—'बिजली, तोर बिना जिनगी अंधियार हे।' अब कहिथें—'तोर नाव सुनतेच जेब कांपथे।'

"पहिली मोला देखके दिल धड़कत रहिस, अब बिजली के बिल देखके धड़कथे। अब त मोला कोनो आवाज देथे—'ए बिजली...' त मैं मुड़के देखंव कि मोला बुलावत हें कि बिजली बिल ला गरियावत हें।"

दाई हँसत कहिथे—"त फेर का नाव रखबो?"

बिजली झट ले कहिथे—

"दाई, मोर नाव फूलमती रख दे, चंदा रख दे, कछु घलो रख दे... फेर बिजली झन रख। आजकल बिजली ले उजाला कम, बिल जियादा याद आथे।"

बहरहाल, जहाँ बिजली पैदा होती है, वहीं का उपभोक्ता बिजली का बिल देखकर अँधेरे में चला जाए, इससे बड़ा व्यंग्य और क्या होगा?

हमारे परिवार सशक्त ही नहीं एकजुट और संवेदनशील भी हों

रत्न भूषण सिंह

भारत की एक ताकत है- परिवार-व्यवस्था। हमें ध्यान रखना चाहिए कि हमारे परिवार केवल सशक्त ही न हों, एकजुट और संवेदनशील भी हों। आजकल माना जाता है कि रोटी, कपड़ा और मकान उच्च स्तर के हों तो परिवार सशक्त हो गए। परिवार जिस घर में रहता है, उसमें मोटे तौर पर चार कक्ष होते हैं। बैठक कक्ष, शयन कक्ष, पूजा घर और रसोई घर। इसमें दो कक्ष हैं और दो घर हैं। घर में भी जो घर है, वह रसोई घर और पूजा घर ही हैं। अब जब आप अपने घर में इन चार कक्ष में रहें तो ध्यान दीजिएगा। बैठक कक्ष चेहरे की तरह होता है। यहां सिर्फ हम दिखते हैं, होते नहीं हैं। जैसे हम चेहरा सजा लेते हैं, ऐसे लोग बैठक कक्ष सजा लेते हैं। यहां बुद्धि का प्रयोग करिए। शयन कक्ष में 10 इंद्रियां सक्रिय रहेंगी, उनका नियंत्रण रखिए। रसोई घर में हृदय प्रधान हो और पूजा घर में मन को शुद्ध और शून्य बनाने का काम किया जाए। अगर यह हम व्यवस्थित कर लें तो जिस घर में हम रहते हैं, उसमें हमारा दाम्पत्य जीवन एकजुट और संवेदनशील भी होगा।

डिलिमिटेशन बिल को सपोर्ट नहीं करेगी कांग्रेस

मानसून सत्र से पहले विपक्ष ने किया अटकलों को खारिज

नई दिल्ली। देश की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने प्रस्तावित डिलिमिटेशन बिल (परिसीमन विधेयक) को लेकर एक बड़ा बयान दिया है. पार्टी ने कहा है कि डिलिमिटेशन बिल पर कांग्रेस की तरफ से समर्थन देने की बात पूरी तरह से झूठी और बेबुनियाद है.

परिसीमन बिल पर क्या बोले जयराम रमेश?

कांग्रेस के महासचिव और संचार विभाग के प्रमुख जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर रविवार (19 जुलाई, 2026) को एक पोस्ट शेयर किया. पोस्ट में जयराम रमेश ने केंद्र सरकार की तरफ से बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में प्रस्ताविक परिसीमन बिल पर कांग्रेस के समर्थन करने के दावों को पूरी तरह से खारिज कर दिया.उन्होंने अपने पोस्ट में आरोप लगाते हुए कहा, 'कुछ टीवी चैनल जानबूझकर मनगढ़ंत खबरों को दिखा रहे हैं कि सरकार की तरफ से आयोजित ऑल पार्टी मीटिंग में परिसीमन विधेयक को समर्थन मिला है. यह पूरी तरह से झूठी और बेबुनियाद बात है.' दरअसल, संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से एक दिन पहले रविवार को केंद्र सरकार सभी राजनीतिक दलों की एक बैठक बुलाई. इस बैठक में संसद के सुचारु संचालन और सरकार के विधायी एजेंडे पर चर्चा की गई।

'वंदे मातरम' का अपमान पड़ेगा भारी! गृह मंत्री राज्यसभा में पेश करेंगे ये संशोधन बिल

संसद का मॉनसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होने वाला है. केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह सोमवार को राज्यसभा में राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक 2026 पेश करेंगे. यह प्रस्तावित कानून राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम को भी वही कानूनी और वैधानिक सुरक्षा देगा, जो अभी राष्ट्रीय गान जन गण मन को मिलती है. अगर अब यह कानून बन जाता है कि राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम में संशोधन करके वंदे मातरम का अपमान करना एक दंडनीय अपराध बन जाएगा. इसके अलावा अगर कोई व्यक्ति जान बूझकर राष्ट्रीय गीत के गायन का अपमान करता है या उसमें समस्या डालता है, तो उसे तीन साल तक की जेल, जुर्माना या दोनों हो सकते हैं. अब राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम के तहत राष्ट्रीय गान का सम्मान करना जरूरी है. इसके गायन के समय लोगों को खड़ा होना पड़ता है. अपमान या बाधा डालने वाले कामों पर रोक है.खास बात यह है कि अगर दोनों सदनों से यह विधेयक पास हो जाता है, तो वंदे मातरम का अपमान करना एक आपराधिक अपराध बन जाएगा।

संसद सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक का विपक्ष ने किया बहिष्कार

विपक्ष के सांसदों ने बुलाई गई सर्वदलीय बैठक से प्रतीकात्मक विरोध में वॉकआउट कर दिया। ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस के लगभग 20 विद्रोही सांसदों ने जून में नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (NCPI) में विलय कर लिया था। तृणमूल की कीमत पर एनसीपीआई के इस अचानक उभार को विपक्ष ने स्वीकार नहीं किया। विपक्ष ने पूछा कि एनसीपीआई को अखिल दलीय बैठक में कैसे शामिल किया जा सकता है, जबकि उनका विलय अभी स्वीकृत नहीं हुआ है। तृणमूल सांसद सौगत राय ने कहा कि हमारी चिंता यह है कि एक अपरिचित पार्टी, जिसका नाम संसद की वेबसाइट पर भी नहीं है, को बैठक में बुलाया गया है। संसद की वेबसाइट पर अभी भी उन 20 विद्रोही सांसदों को तृणमूल के सदस्य के रूप में ही दिखाया जा रहा है।

वॉकआउट पर भड़कीं काकोली घोष दस्तीदार, कहा- ये तो चेयर का अपमान

बागी T M C सांसद काकोली घोष दस्तीदार काकोली घोष ने विपक्ष के वॉकआउट पर नाराजगी जताई. उन्होंने कहा कि ऑल पार्टी मीटिंग से वॉकआउट करना शोभा नहीं देता और यह चेयर का अपमान है. उनके अनुसार ऐसी बैठकों का मकसद सभी दलों के बीच बातचीत और सहमति बनाना होता है, इसलिए बीच में बैठक छोड़कर जाना सही तरीका नहीं माना जा सकता. नेशनलिस्ट सिटिज़न्स पार्टी ऑफ इंडिया (NCPI) में मर्जर को अभी तक औपचारिक मान्यता नहीं मिलने के सवाल पर भी काकोली घोष ने प्रतिक्रिया दी।

सोनम वांगचुक की पत्नी ने हाई कोर्ट में दायर की याचिका

नई दिल्ली। 21 दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को लेकर उनकी पत्नी गीतांजलि जे. आंगमो ने बड़ा बयान दिया है. उन्होंने सोशल मीडिया पर सफदरजंग अस्पताल और सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि अगर सोनम वांगचुक को कुछ भी होता है तो इसकी पूरी जिम्मेदारी अस्पताल प्रशासन और सरकार की होगी. गीतांजलि ने दावा किया कि उन्हें अब सफदरजंग अस्पताल पर भरोसा नहीं रहा और उन्होंने वांगचुक को निजी अस्पताल ले जाने की अनुमति के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. गीतांजलि ने कहा कि अस्पताल ने परिवार को बताया था कि सोनम वांगचुक का पोटैशियम स्तर 2.9 तक गिर गया है, जिसे जानलेवा स्थिति बताया गया. लेकिन अस्पताल की ओर से जारी सार्वजनिक हेल्थ बुलेटिन में यह आंकड़ा नहीं बताया गया।

'ट्रंप के हस्ताक्षर की कोई वैल्यू नहीं' MoU टूटने पर भड़के मुज्तबा खामेनेई

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अमेरिका की तरफ से लगातार ईरान पर किए जा रहे हमलों को लेकर ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह मुज्तबा खामेनेई ने शनिवार (18 जुलाई, 2026) को बड़ा बयान दिया है. खामेनेई ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से शांति समझौते पर साइन पूरी तरह से बेमतलब का है. उन्होंने ट्रंप को लेकर कहा कि उनकी कोई क्रेडिबिलिटी नहीं है.

ईरानी सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह मुज्तबा खामेनेई ने शनिवार (18 जुलाई, 2026) को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया. पोस्ट में खामेनेई ने कहा, 'ईरान और अमेरिका के राष्ट्रपतियों की तरफ से साइन किए गए समझौता ज्ञापन (एमओयू) का अमेरिका की तरफ से बार-बार उल्लंघन किया जाना एक बार फिर से इस सच्चाई को उजागर करता है कि अमेरिकी राष्ट्रपति के साइन की कोई कीमत नहीं है और उनकी कोई क्रेडिबिलिटी नहीं है.' अमेरिका के सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने एक्स प्लेटफॉर्म पर शनिवार (18 जुलाई) को एक पोस्ट में अपने शहीद और लापता हो चुके अमेरिकी सैन्य कर्मचारियों को लेकर बयान जारी किया है. सेंटकॉम ने कहा, 'अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) और उसके पार्टनर फोर्सेज शुक्रवार (17 जुलाई, 2026) को जॉर्डन में ईरान की तरफ से किए गए बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन हमलों के खिलाफ रक्षा अभियान चला रहे थे. इस दौरान दो अमेरिकी सैन्यकर्मी युद्ध कार्रवाई में मारे गए. इसके अलावा, एक सैन्यकर्मी अभी भी लापता है.' सेंटकॉम ने कहा, 'अमेरिका के चार सैन्य कर्मियों को इलाज के लिए जॉर्डन के अस्पतालों में भर्ती कराया गया था. इलाज के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है. जबकि जिन अन्य कर्मियों को मामूली चोटें आई थी, उनकी जांच की गई और फिर वे अपनी ड्यूटी पर लौट चुके हैं।'

मैक्सिको में 7.4 तीव्रता के भूकंप से दहल उठी धरती

ग्वाटेमाला। मैक्सिको में जोरदार भूकंप से धरती हिल उठी है. शुक्रवार को यहां ग्वाटेमाला की बॉर्डर के पास दक्षिणी प्रशांत तट पर जबरदस्त भूकंप आया. इसके झटके मैक्सिको सिटी और अल साल्वाडोर तक महसूस किए गए हैं. हालांकि, अभी किसी भी तरह के जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है. वहीं, यूएस जियोलॉजिकल सर्वे ने कहा है कि भूकंप की तीव्रता 7.3 थी. एजेंसी के मुताबिक, भूकंप का केंद्र चियापास तट के पास एक्विलेस सेरदान से 48 किमी दक्षिण पश्चिम में और 15 किमी की गहराई पर था. इस भूकंप से पहले समुद्र में थोड़ी दूर केंद्र वाला कम तीव्रता वाला झटका महसूस किया गया था. इसके अलावा सुनामी की चेतावनी भी जारी की गई है. मैक्सिको और ग्वाटेमाला को अलग करने वाली नदी के किनारे बसे शहर सुचियाते के मेयर एल्मर वाजक्वेज गैलार्डो ने बताया कि सुनामी के किसी भी खतरे के लिए तटीय इलाकों पर नजर रखी जा रही थी. मैक्सिको की दक्षिणी सीमा पर स्थित मुख्य शहर तापचुला में भूकंप के झटके पहले हल्के थे, फिर तेज हो गए।

ऑपरेशन सिंदूर पर इमरान खान की बहन का बड़ा दावा

इजराइल के कहने पर भारत ने पाकिस्तान को बख्शा?

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने पाकिस्तान को बुरी तरह पस्त कर दिया था.भारतीय मिसाइलों के आगे पाकिस्तानी सेना लगभग सरेंडर कर चुकी थी.इसी को लेकर अब पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहन नूरीन नियाजी ने एक बड़ा दावा किया है. नियाजी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तानी सैन्य नेतृत्व की हालत इतनी खराब हो गई थी कि भारत के लगातार हमलों के बाद वो मदद मांगने के लिए अंतर्राष्ट्रीय ताकतों के पास गए.

नूरीन के मुताबिक इतना सब कुछ हो जाने के बाद भी पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ झूठी जीत की कहानियां गढ़कर पाकिस्तानी अवाम को गुमराह कर रहे हैं. पाकिस्तान के हालात को लेकर एक इंटरव्यू में नियाजी ने कहा कि भारतीय हमले के बाद पाकिस्तान ने इसे रोकने की कोशिश की, लेकिन वह इसमें सफल नहीं हो पाया. इसके बाद पाकिस्तानी नेतृत्व ने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से भारत के साथ समझौता करने की गुहार लगाई. इसके बाद डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान के सामने कई शर्तें रख दीं.

न्यूज एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, इमरान खान की बहन ने दावा किया है कि भारत ने इजरायल के कहने पर इस जंग को आगे नहीं बढ़ाया क्योंकि इस्लामाबाद उस समय इजराइल को मान्यता देने की दिशा में बढ़ रहा था. नियाजी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के साथ हुए 4 दिन के टकराव में पाकिस्तानी सेना को कमतर बताया है.

'पाकिस्तान इजराइल को मान्यता देने वाला था'

उन्होंने दावा किया कि यह सैन्य अभियान पाकिस्तान के सैन्य नेतृत्व और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच मिलीभगत का नतीजा था. उन्होंने बिना कोई सबूत दिए दावा किया कि भारत ने इजराइल के कहने पर संघर्ष को आगे नहीं बढ़ाया क्योंकि पाकिस्तान इजराइल को मान्यता देने वाला था. यह सैन्य टकराव जनरल आसिम मुनीर के नेतृत्व में पाकिस्तान के सशस्त्र बलों की छवि मजबूत करने के लिए सुनियोजित तरीके से कराया गया था।

पाकिस्तान के सिंध में बच्चों में तेजी से फैला HIV

नई दिल्ली। पाकिस्तान का हेल्थ सिस्टम जानें किस भरोसे चल रहा है. अब प्रमुख शहर कराची में एक सरकारी अस्पताल में फैले HIV संक्रमण के मामले में लोग पॉजिटिव पाए गए हैं. अधिकारियों ने कहा है कि हाल के हफ्तों में यह संख्या तेजी से बढ़ी है. सिंध के लेबर मिनिस्टर सईद गनी ने इस हफ्ते के शुरुआत में बताया कि सिंध एम्प्लॉईज सोशल सिक्योरिटी इंस्टीट्यूशन की तरफ से चलाए जा रहे कुलसुम बाई वालिका अस्पताल और आसपास के 10500 से ज्यादा लोगों की स्क्रीनिंग की गई. इनमें 120 लोग पॉजिटिव पाए गए. सिंध प्रांत के बच्चे इस इन्फेक्शन की चपेट में आए हैं. अलजजीरा के मुताबिक, लांधी इलाके में इस संस्था के एक और सेंटर में स्क्रीनिंग ड्राइव चलाई गई. इसमें 10 और मामले सामने आए. यह संस्था एक ऑटोनोमस बॉडी है. यह पूरे सिंध में औद्योगिक वर्करों और उनपर निर्भर लोगों को हेल्थकेयर, मेडिकल सुविधाएं और आर्थिक मदद में सहयोग करती है।

रोहित शर्मा के ऐतिहासिक शतक के बावजूद हारी टीम इंडिया

नई दिल्ली। रोहित शर्मा के ऐतिहासिक शतक के बावजूद इंग्लैंड ने लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे वनडे मैच में जीत हासिल कर ली है। इस जीत के साथ उन्होंने वनडे सीरीज को अपने नाम कर लिया है। मैच में इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 387 रनों का पहाड़ जैसा स्कोर खड़ा किया था, जिसे टीम इंडिया हासिल नहीं कर सकी। भारत ने 7 विकेट के नुकसान पर 360 रन बनाए और उन्हें 27 रनों से हार का सामना करना पड़ा। इंग्लिश टीम के लिए बेन डकेट ने कमाल की बैटिंग की और शतक लगाया। उन्होंने 141 रनों की पारी खेली। इसके बाद अंतिम ओवरों में जोस बटलर ने तेजी से रन बनाए। उन्होंने 13 गेंदों पर नाबाद 41 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली। उनकी पारी की वजह से ही मेजबान टीम ने 387 रनों का स्कोर खड़ा कर किया। रोहित शर्मा पहले दो मैचों में बड़ी पारी नहीं खेल सके थे, जिसकी वजह से उनकी फॉर्म को लेकर सवाल खड़े हो रहे थे। उनके संन्यास को लेकर भी अटकलें लगाई जाने लगी थी। हालांकि, तीसरे मैच में रोहित ने बल्ले से सभी को जवाब दिया है। उन्होंने 110 गेंदों पर 138 रनों की पारी खेली, जिसमें 17 चौके और 5 छक्के शामिल रहे। वे लॉर्ड्स के मैदान पर शतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं।

बेन डकेट ने ठोका शतक

इंग्लैंड की ओर से ओपनर बेन डकेट (141) ने ताबड़तोड़ शतक जड़ा तो इंग्लैंड की बल्लेबाजी की रीढ़ जो रूट (74*) और जैकब बेथेल (91) ने अर्धशतक जड़े, जिससे मेजबान टीम ने तीन विकेट पर 387 रन का विशाल स्कोर खड़ा कर डाला। ये वनडे में भारत के विरुद्ध इंग्लैंड का सर्वोच्च स्कोर है। इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। बुमराह की अनुपस्थिति में भारत चार तेज गेंदबाज और एक स्पिन आलराउंडर अक्षर पटेल के साथ उतरा। प्रसिद्ध, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव और गुरनूर बराड़ के पास कुल मिलाकर सिर्फ 51 वनडे मैचों का अनुभव था। इंग्लैंड की मजबूत और लय में चल रही बल्लेबाजी के सामने अनुभव और कौशल की यह कमी साफ दिखाई दी।

बुमराह की गैरमौजूदगी में भारत की खराब गेंदबाजी

बुमराह की गैरमौजूदगी में भारतीय गेंदबाज न तो लगातार सही लाइन-लेंथ बनाए रख सके और न ही बल्लेबाजों पर दबाव बना पाए। पहले 10 ओवर में इंग्लैंड ने 58 रन बनाए, लेकिन इसके बाद 11वें से 30वें ओवर के बीच भारतीय गेंदबाज पूरी तरह मैच से बाहर हो गए। डकेट और बेथेल ने इस दौरान हर ढीली गेंद की सजा दी और रनगति लगातार बढ़ाते रहे। बेथेल ने सिर्फ 51 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया, जबकि 16वें ओवर तक इंग्लैंड का स्कोर 100 रन के पार पहुंच चुका था।

जिम्बाब्वे दौरे पर नए हेड कोच के साथ रवाना हुई टीम इंडिया

नई दिल्ली। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में टीम इंडिया अगली टी20 सीरीज जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलेगी, जिसके लिए प्लेयर्स रवाना हो गए हैं. कप्तान अय्यर समेत वो प्लेयर्स जो इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज का हिस्सा हैं, वो तीसरे वनडे के बाद जाएंगे लेकिन हेड कोच गौतम गंभीर नहीं जाएंगे. क्रिकेट के व्यस्त शेड्यूल को देखते हुए BCCI ने ये बड़ा फैसला लिया है.

गौतम गंभीर की कोचिंग में टीम इंडिया ने टी20 में एक शर्मनाक रिकॉर्ड बनाया, हाल ही में टीम आयरलैंड से 0-2 से हारने के बाद इंग्लैंड से 0-4 से हार गई। लगातार 6 मैचों में हार के बाद गंभीर की कोचिंग पर सवाल उठने लगे, कि वह वैभव सूर्यवंशी के डेब्यू को सही तरीके से संभाल नहीं पाए। अब BCCI ने जिम्बाब्वे दौरे पर नए हेड कोच को भेजने का फैसला किया है, हालांकि ये इसलिए नहीं है कि गंभीर की कोचिंग में टीम इंडिया हारी है बल्कि ये वर्कलोड मैनेजमेंट के चलते लिया गया फैसला है। ये पहली बार भी नहीं है, राहुल द्रविड़ के समय भी ऐसा हुआ था। BCCI ने जिम्बाब्वे दौरे पर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के हेड और पूर्व क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण को हेड कोच के तौर पर भेजने का फैसला किया है.

बोर्ड पहले भी राहुल द्रविड़ के कार्यकाल में उनको कोच की भूमिका में विदेशी दौरों पर भेज चुका है. लक्ष्मण अनुभवी हैं और लम्बे समय से युवा खिलाड़ियों को तैयार करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं. जिम्बाब्वे बनाम भारत टी20 सीरीज 3 मैचों की है, जिसका पहला मुकाबला गुरुवार, 23 जुलाई को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में होगा. ये मैच भारतीय समयनुसार शाम को 4:30 बजे से शुरू होगा.

भारत का टी20 स्क्वॉड

श्रेयस अय्यर (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, शिवम दुबे, अभिषेक शर्मा, यश ठाकुर, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, रवि बिश्नोई, हर्ष दुबे, सूर्यांश शेडगे, मयंक यादव, अशोक शर्मा, प्रिंस यादव, वैभव सूर्यवंशी.

नाइट राइडर्स ने जीता MLC 2026 का खिताब

नई दिल्ली। मेजर लीग क्रिकेट 2026 का खिताब लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स ने जीत लिया है। टीम ने फाइनल में वाशिंगटन फ्रीडम को 1 रन से हराया. 164 रनों को डिफेंड करते सुनील नरेन ने अच्छी गेंदबाजी की, उन्होंने 13 ओवरों में अपना स्पेल खत्म कर लिया था. नरेन ने 4 ओवरों में 13 रन देकर 3 विकेट चटकाए. 14वें ओवर में जेसन होल्डर ने मात्र 4 रन देकर 2 महत्वपूर्ण विकेट लिए, तब लगा कि नाइट राइडर्स आसानी से मैच जीत जाएगा लेकिन Obus Pienaar की शानदार पारी ने मैच को अंतिम गेंद तक रोमांचक बनाए रखा.

क्रिकेट के सबसे 'महान ऑलराउंडर' का 89 साल की उम्र में निधन

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के महान क्रिकेटर सर गारफील्ड सोबर्स का 89 साल की उम्र में निधन हो गया है. वो करीब 2 सप्ताह बाद ही अपना 90वां जन्मदिवस मनाने वाले थे. सोबर्स को क्रिकेट इतिहास के सबसे महान ऑलराउंडर खिलाड़ियों में से एक माना जाता है.

वो 1954-1973 तक वेस्टइंडीज के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट खेले. जब तक वनडे फॉर्मेट क्रिकेट के खेल में अपने पैर नहीं पसार पाया था, उससे पहले सर गारफील्ड सोबर्स टेस्ट फॉर्मेट को डोमिनेट किया करते थे. उन्होंने अपने वनडे करियर में सिर्फ एक मैच खेला, लेकिन टेस्ट में 8 हजार से ज्यादा रन और 235 विकेट चटकाए. सर गारफील्ड सोबर्स का जन्म 28 जुलाई 1936 को कैरेबियाई आइलैंड बारबाडोस में हुआ था. उनकी खासियत यह थी कि वे 3 अलग-अलग तरह से गेंदबाजी कर सकते थे. उन्होंने बाएं हाथ से तेज गेंदबाजी की, बाएं हाथ से ऑफ-स्पिन के साथ-साथ उन्होंने बाएं हाथ से लेग स्पिन बॉलिंग भी की. वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने सोशल मीडिया पर सर गारफील्ड सोबर्स के निधन की जानकारी साझा की और उनके लिए एक शोक संदेश भी लिखा. सर गारफील्ड सोबर्स ने महज 17 साल की उम्र में अपना इंटरनेशनल डेब्यू कर लिया था।

मोहम्मद सिराज के समर्थन में आए आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली। 2027 एकदिवसीय वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम मैनेजमेंट तैयारियां शुरू कर चुका है. युवाओं को लगातार मौके मिल रहे हैं, लेकिन टीम के सबसे प्रभावी तेज गेंदबाजों में से एक मोहम्मद सिराज वनडे टीम से बाहर हैं. पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने सिराज की वनडे टीम में गैरमौजूदगी को लेकर टीम मैनेजमेंट और चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर से स्पष्टता मांगी है. आकाश चोपड़ा का कहना है कि मोहम्मद सिराज को चुपचाप टीम से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है. टी20 टीम से वो पहले ही बाहर हैं और वनडे से यह कहकर बाहर कर दिया गया कि वो पुरानी गेंद से अधिक प्रभावशाली नहीं हैं. आकाश चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर सेलेक्टर्स को आईना दिखाते हुए कहा, "उन्हें वनडे टीम से यह कहकर बाहर कर दिया गया कि वो पुरानी गेंद से ज्यादा प्रभावशाली नहीं हैं. वो टी20 क्रिकेट से बाहर थे, लेकिन वर्ल्ड कप में खेले. मगर वर्ल्ड कप के पहले ही मैच में उन्होंने 3 विकेट ले डाले थे. उस दिन उन्होंने प्लेयर ऑफ द मैच वाला परफॉर्मेंस दिया।."

2000 से ऊपर के डिजिटल पेमेंट पर लगेगा टैक्स

नई दिल्ली। डिजिटल पेमेंट आने के बाद लोगों के कई काम आसान हो गए हैं. एक तो अब पहले की तरह कैश लेकर घूमने की जरूरत नहीं पड़ती है, क्योंकि अब हर कोई UPI पेमेंट का इस्तेमाल करता है. अगर आप भी UPI पेमेंट का इस्तेमाल करते हैं तो यह खबर आपके लिए जरूरी है. आने वाले दिनों में UPI से पेमेंट करने वाले को बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है. सूत्रों के मुताबिक, केंद्र सरकार 2 हजार या उससे ज्यादा के UPI मर्चेंट ट्रांजैक्शन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट यानी MDR दोबारा लागू करने पर विचार कर रही है. अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर ये किन लोगों पर लागू होगा? बता दें कि जिन व्यापारियों या कारोबारियों का सालाना टर्नओवर 1.5 करोड़ तक है तो ऐसे लोगों को इस चार्ज से राहत मिल सकती है।

RBI का बड़ा कदम, पॉलीमर शीट का ग्लोबल EOI जारी

भारत में प्लास्टिक के नोट लाने की तैयारी पूरी

नई दिल्ली। आज बेशक डिजिटल पेमेंट का चलन काफी बढ़ गया है लेकिन इसके बावजूद भी आज भी बड़ी संख्या में लोग अपने पास कैश रख रहे हैं. आपके पास भी 10, 20,100 या 500 का नोट तो जरूर होगा, लेकिन अब कुछ समय में इनका रूप बदला हुआ नजर आने वाला है. भारत में प्लासिटक के नोट लाने की तैयारी शुरू हो गई है. भारतीय रिजर्व बैंक यानी RBI ने इस दिशा में एक जरूरी कदम उठाया है.

पॉलीमर शीट खरीदने की प्रक्रिया शुरू

बता दें कि अब RBI की नोट छापने वाली कंपनी BRBNMPL ने प्लास्टिक के नोट बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाली पॉलीमर शीट खरीदने की प्रक्रिया शुरू कर दी है. इसके लिए अब कंपनी ने दुनियाभर की कंपनियों से प्रस्ताव (EOI) मांगे हैं. इसकी मदद से प्लास्टिक के नोट बनाने की दिशा में काम किया जाएगा.

BRBNMPL के बारे में जानें

BRBNMPL यानी Bhartiya Reserve Bank Note Mudran Private Limited की बात करें तो यह RBI की वह कपनी है जो देश में करेंसी नोटों की छपाई का काम करती है. नोटों से जोड़े कई जरूरी काम इसी कंपनी के जिम्मे हैं. अब जब से पॉलीमार शीट के लिए EOI जारी हुआ है तो इससे यह स्पष्ट हो रहा है कि प्लास्टिक नोटों को लेकर तैयारियां तेजी से की जा रही हैं, जिसके चलते अब आने वाले समय में नोटों का रूप बिल्कुल बदला हुआ नजर आने वाला है.

प्लास्टिक नोटों के फायदे

- अगर आगे चलकर सामान्य नोटों की जगह प्लास्टिक के नोट दिखाई देते हैं तो एक सवाल लोगों के मन में आ सकता है कि इसके फायदे क्या हैं?
- सबसे बड़ी बात यह है कि ये नोट कागजी नोट के मुकाबले ज्यादा टिकाऊ हो सकते हैं.
- कई बार नोट कटे-फटे नजर आते हैं, लेकिन इसके जल्दी खराब होने की संभावना कम रहेगी.
- पानी या बारिश के दौरान नोट गिले हो जाते हैं, लेकिन पानी और नमी का असर इस पर कम पड़ेगा.

अमृत भारत स्टेशन योजना: पीएम ने किया छत्तीसगढ़ के 3 स्टेशनों का लोकार्पण

रायपुर। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में रेल अधोसंरचना का व्यापक आधुनिकीकरण हो रहा है और इसका प्रत्यक्ष लाभ छत्तीसगढ़ को भी मिल रहा है। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के चांपा, बालोद एवं सरोना रेलवे स्टेशनों का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्चुअल लोकार्पण प्रदेश के रेल विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस जनहितकारी पहल के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति सोशल मीडिया हैंडल एक्स में पोस्ट कर आभार व्यक्त करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि केंद्र सरकार के निरंतर सहयोग से छत्तीसगढ़ में आधारभूत अधोसंरचना का तेजी से विकास हो रहा है, जिसका लाभ प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र और प्रत्येक नागरिक तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित इन रेलवे स्टेशनों के विकसित होने से यात्रियों को अधिक सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक यात्रा का अनुभव मिलेगा। बेहतर प्रतीक्षालय, दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाएं, स्वच्छ परिसर, आधुनिक यात्री सुविधाएं तथा उन्नत अधोसंरचना से आम नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण रेल सेवाएं उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि रेलवे केवल आवागमन का माध्यम नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक विकास का सशक्त आधार है। चांपा, बालोद और सरोना जैसे महत्वपूर्ण स्टेशनों के उन्नयन से व्यापार, पर्यटन, स्थानीय अर्थव्यवस्था तथा क्षेत्रीय विकास को नई गति मिलेगी। इससे लोगों के लिए आवागमन अधिक सुगम होगा और रोजगार एवं आर्थिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि डबल इंजन सरकार के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में रेल अधोसंरचना का अभूतपूर्व विस्तार हो रहा है। प्रदेश में नई रेल परियोजनाओं, दोहरीकरण, विद्युतीकरण तथा आधुनिक रेलवे सुविधाओं के विस्तार से विकास को नई दिशा मिल रही है। यह परिवर्तन विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के संकल्प को और अधिक मजबूत करेगा।

निश्चय कार्यक्रम से आत्मनिर्भर बन रहीं महिला बंदी

रायपुर। केंद्रीय जेल रायपुर में महिला बंदियों के सर्वांगीण सुधार और समाज की मुख्यधारा में उनके सम्मानजनक पुनर्वास के लिए एक अनूठी पहल की शुरुआत की गई है। जेल प्रशासन द्वारा संचालित निश्चय कार्यक्रम के अंतर्गत महिला बंदियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे जेल के भीतर ही उनके रोजगार की राह आसान हुई है। केन्द्रीय जेल रायपुर में विभिन्न अपराधों के तहत बंद 60 महिला बंदियों को बेसिक ऑफ पिकल (अचार) एवं मसाला निर्माण के व्यावसायिक उत्पादन का विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य महिला बंदियों को स्वयं की व्यावसायिक इकाई स्थापित करने के योग्य बनाना है। प्रशिक्षण के दौरान इन बंदियों को खाद्य उत्पादों के निर्माण और उनकी उत्तम गुणवत्ता नियंत्रण, स्वच्छता, पैकेजिंग एवं सुरक्षित भंडारण से संबंधित व्यावहारिक जानकारियां दी गईं। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद महिला बंदियों ने जेल के महिला प्रकोष्ठ में ही नियमित रूप से अचार का निर्माण शुरू कर दिया है। महिला बंदियों द्वारा जेल के भीतर पूरी स्वच्छता के साथ आम, नींबू, गाजर और लहसुन जैसी विभिन्न वैरायटियों के स्वादिष्ट और हाइजीनिक अचार तैयार किए जा रहे हैं। इन गुणवत्तापूर्ण उत्पादों की बिक्री के लिए व्यवस्था की गई है।

CM हेल्पलाइन 1076 से मिनटों में सुलझ रहीं बड़ी समस्याएं

रायपुर। सरकारी दफ्तरों के चक्कर, लंबा इंतजार और छोटी-छोटी समस्याओं के समाधान में होने वाली देरी आम लोगों की बड़ी परेशानी रही है। लेकिन छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 और सेवा सेतु अब हजारों लोगों के लिए राहत का माध्यम बन रहे हैं। दुर्ग जिले के पाटन विकासखंड के ग्राम ओरी निवासी अभिषेक चतुर्वेदी लंबे समय से अपनी पत्नी शीतल चतुर्वेदी का राशन कार्ड बनवाने का प्रयास कर रहे थे। कई बार आवेदन देने के बावजूद उनका काम पूरा नहीं हो सका, जिससे परिवार सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित था। इसके बाद उन्होंने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने के बाद संबंधित विभाग ने त्वरित कार्रवाई की और आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर कुछ ही दिनों में राशन कार्ड जारी कर दिया। परिवार ने समय पर समाधान मिलने पर मुख्यमंत्री और जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

खैरागढ़ जिले की शमाबाई कुमुद रामटेके आधार कार्ड में पते की त्रुटि और बायोमेट्रिक अपडेट की समस्या से परेशान थीं। कई प्रयासों के बावजूद समाधान नहीं मिला। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज होते ही अधिकारियों ने कार्रवाई शुरू की और आधार कार्ड में सुधार कर पूरी प्रक्रिया पूरी कर दी। इसी जिले के ग्राम पचपेड़ी निवासी इन्द्रेश कुमार विश्वकर्मा को इंजीनियरिंग प्रवेश के लिए तत्काल निवास प्रमाण पत्र की जरूरत थी। उन्होंने सेवा सेतु के माध्यम से आवेदन किया, जिसके बाद प्रशासन ने उसी दिन दस्तावेज जारी कर दिया। समय पर प्रमाण पत्र मिलने से उनका प्रवेश प्रभावित होने से बच गया।

प्रदेश में अब तक औसत वर्षा का 81 प्रतिशत से अधिक बारिश

रायपुर। मानसून की प्रगति देश के बड़े हिस्से में संतोषजनक रही है, जो खरीफ फसलों (विशेषकर धान) की बुवाई और जल-स्तर में सुधार के लिए महत्वपूर्ण है हालांकि, असमान वितरण और श्अल नीनोश् के प्रभाव से कुछ क्षेत्रों में चिंता भी बनी हुई है। जून के शुरुआती दौर में बारिश की कमी के कारण खरीफ फसलों की बुवाई प्रभावित हुई थी, लेकिन जुलाई में व्यापक बारिश से स्थिति में सुधार देखा गया है। छत्तीसगढ़ में इस साल मानसून की प्रगति किसानों और आम जनता के लिए बेहद उत्साहजनक संकेत लेकर आई है। प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में खेतों की हरियाली और चेहरों की मुस्कान इस बात की गवाही दे रही है कि बदरा दिल खोलकर बरस रहे हैं। लगातार हो रही इस सुगठित बारिश और उन्नत सिंचाई प्रबंधन के दम पर छत्तीसगढ़ के अन्नदाता एक बार फिर बंपर पैदावार की ओर कदम बढ़ा रहे हैं, जो पूरे राज्य की समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करेगा।

छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी 1 जून से 17 जुलाई 2026 तक के आंकड़ों के मुताबिक, राज्य ने अपनी कुल अपेक्षित औसत वर्षा का का 81.3 प्रतिशत हिस्सा सफलतापूर्वक हासिल कर लिया है। अब तक प्रदेश में औसतन 293.6 मिलीमीटर वास्तविक वर्षा दर्ज की जा चुकी है, जो आने वाले सुनहरे कृषि सीजन के लिए एक बेहतरीन बुनियाद तैयार कर रही है। आज भी प्रदेश के कई इलाकों में आसमान से वर्षा का सिलसिला जारी रहा, जिससे बीते 24 घंटों में राज्य का दैनिक वर्षा औसत 26.0 मिलीमीटर पर पहुंच गया।

धमतरी में 142 किलोवॉट क्षमता का सामूहिक प्लांट तैयार, जिले के 55 और गाँवों में विस्तार की तैयारी

नक्सल साए से निकलकर हरित ऊर्जा का मॉडल बना ठेनही

रायपुर। सामूहिक सोलर पावर प्लांट स्थापित करना न केवल पर्यावरण संरक्षण के लिए फायदेमंद है, बल्कि यह निरंतर आय, सस्ती बिजली और आत्मनिर्भरता का एक बेहतरीन माध्यम है। आप सरकार के माध्यम से आवासीय समूह की सहायता से आसानी से प्लांट लगवा सकते हैं। जो इलाका कभी नक्सल प्रभावित होने के कारण विकास की मुख्यधारा से दूर छूट रहा था, आज वह देश की सबसे आधुनिक हरित ऊर्जा क्रांति की अगुवाई कर रहा है। धमतरी जिले का सुदूर वनांचल गाँव ठेनही (नगरी विकासखंड) जिले का ऐसा पहला गाँव बन गया है, जहाँ सामूहिक सोलर पावर प्लांट स्थापित कर 71 परिवारों के जीवन को रोशन किया गया है। यह सफलता केवल बिजली आने की कहानी नहीं है, बल्कि यह अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुँचाने की प्रशासनिक प्रतिबद्धता का जीवंत उदाहरण है।

ग्राम ठेनही के अधिकांश घरों की छतें पक्की नहीं बल्कि खपरैल की हैं, जिसके कारण छतों पर व्यक्तिगत सोलर पैनल लगाना संभव नहीं था। इस चुनौती का समाधान विद्युत विभाग और प्रशासन ने मिलकर निकाला। गाँव से महज 50-75 मीटर की दूरी पर उपलब्ध खाली जमीन पर 142 किलोवॉट क्षमता का एक बड़ा सामूहिक सोलर प्लांट खड़ा किया गया। वेंडरों द्वारा सब्सिडी की राशि से ही गाँव के सभी 71 परिवारों का 2-2 किलोवॉट के लिए पंजीयन किया गया। ग्रामीणों को इसके लिए जेब से एक भी पैसा नहीं देना पड़ा। घरों में कनेक्शन का काम तेजी से जारी है। जल्द ही ग्रिड कनेक्टिविटी के साथ बिजली उत्पादन शुरू होगा, जिससे ग्रामीणों को भारी-भरकम बिजली बिलों से हमेशा के लिए मुक्ति मिल जाएगी।

55 गाँवों में फैलेगा उजाला

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में यह ऐतिहासिक पहल धमतरी को हरित और सतत विकास का अग्रणी जिला बनाएगी। ठेनही की सफलता के बाद अब नगरी विकासखंड के फरसियां, रतावा, दुगली सहित करीब 25 अन्य गाँवों और पूरे जिले में ऐसे 55 चयनित गाँवों में इस मॉडल को लागू करने की कार्ययोजना तैयार है। स्थानीय निवासी श्री छात्र सिंह यादव ने कहा कि पहले हर महीने बिजली बिल की चिंता सताती थी। अब गाँव में ही सोलर प्लांट लग जाने से हमें बहुत बड़ी आर्थिक राहत मिलेगी। यह हमारे बच्चों के भविष्य के लिए भी लाभकारी है।

16 साल बाद स्पेन वर्ल्ड कप विजेता

फाइनल में अर्जेंटीना को 1-0 से हराया, फेरन टोरेस ने एक्स्ट्रा टाइम में गोल दागा

स्पेन ने 16 साल बाद फुटबॉल वर्ल्ड कप का खिताब जीत लिया। टीम ने न्यूयॉर्क के न्यू जर्सी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में 2022 की चैंपियन अर्जेंटीना को 1-0 से हराया। स्पेन के लिए एक्स्ट्रा टाइम में फेरन टोरेस ने गोल किया। इसी के साथ स्पेन ने 2010 के बाद दूसरी बार ट्रॉफी अपने नाम की। तब टीम ने नीदरलैंड को 1-0 से हराया था।

अगर यह मुकाबला 90 मिनट तक बराबरी पर रहा तो इसकी सबसे बड़ी वजह अर्जेंटीना के गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज थे। स्पेन पूरे मैच में लगातार अटैक करता रहा। कभी लामिन यमाल ने बॉक्स के बाहर से शॉट लगाया, कभी ओयारजाबाल ने मौका बनाया तो कभी पेड्री और निको विलियम्स गोल के करीब पहुंचे। हर बार मार्टिनेज ने खुद को गेंद और गोलपोस्ट के बीच खड़ा कर दिया। कई बार ऐसा लगा कि स्पेन अब गोल कर देगा, लेकिन हर बार मार्टिनेज ने उसे रोक दिया। लेकिन फुटबॉल में लगातार दबाव आखिरकार असर दिखाता है। 106वें मिनट में निको विलियम्स का हेडर फेरन टोरेस तक पहुंचा और इस बार मार्टिनेज भी कुछ नहीं कर सके।

एंजो का रेड कार्ड... और यहीं पलट गया फाइनल

90 मिनट तक अर्जेंटीना किसी तरह मुकाबले में बनी रही थी। टीम का पूरा भरोसा पेनल्टी शूटआउट पर था, लेकिन इंजरी टाइम में एंजो फर्नांडीज ने ऐसी गलती कर दी जिसने पूरी बाजी बदल दी। पाउ क्यूबार्सी पर टैकल के बाद रेफरी ने एंजो को दूसरा येलो कार्ड दिखाया और फिर रेड कार्ड। अर्जेंटीना 10 खिलाड़ियों के साथ रह गई। इसके बाद स्पेन ने गेंद पर और ज्यादा कब्जा जमा लिया।

टोरेस ने रचा इतिहास

106वें मिनट में निको विलियम्स बाएं फ्लैंक से पहुंचे। इस बार उन्होंने बैक पोस्ट पर हेडर से गेंद फेरन टोरेस के सामने गिराई। फेरन टोरेस ने बिना एक पल गंवाए दाएं पैर से ऐसा शॉट लगाया कि गेंद सीधे नेट में जा समाई और इतिहास बन गया।

आखिरी सीटी के बाद जश्न... और फिर लड़ाई

रेफरी की अंतिम सीटी बजते ही स्पेनिश खिलाड़ी मैदान पर दौड़ पड़े। कोई घुटनों के बल बैठ गया, कोई आसमान की ओर देखने लगा, तो कोई अपने साथी खिलाड़ियों से लिपट गया। 16 साल का इंतजार खत्म हो चुका था। दूसरी ओर अर्जेंटीना के खिलाड़ियों की निराशा साफ दिखाई दे रही थी। कुछ देर बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच नोकझोंक भी हुई, लेकिन मामला जल्द शांत हो गया। इसके बाद ट्रॉफी स्पेन के कप्तान के हाथों में पहुंची और पूरा स्टेडियम 'वीवा एस्पाना' (स्पेन जिंदाबाद) के नारों से गूंज उठा।

एम्बाप्पे ने जीता गोल्डन बूट

वर्ल्ड कप 2026 में सबसे ज्यादा गोल फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे ने किए। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में 10 गोल और 4 असिस्ट के साथ गोल्डन बूट अपने नाम किया। अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी 8 गोल और 4 असिस्ट के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

साप्ताहिक शहर सत्ता

सलमान की लेटेस्ट लुक देख परेशान हुए फैंस

सुपरस्टार सलमान खान को हाल ही में एक इवेंट में स्पॉट किया गया. इस दौरान का उनका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है. फैंस उनकी लेटेस्ट अपीरियंस को देखकर शॉक्ड रह गए. फैंस उनकी सेहत को लेकर टेंशन में आ गए हैं. सलमान खान हाल ही में Slum Rehabilitation Authority के ऑफिस पहुंचे. यहां उन्होंने अथॉरिटी के डेटा कलेक्शन और वेरिफिकेशन सपोर्ट सेंटर (IT सर्वर रूम) का उद्घाटन किया. इस दौरान सलमान खान डेनिम और क्रीम शर्ट में दिखे. उन्होंने ग्रीन कलर की कैप भी लगाई हुई थी. सलमान वीडियो में पहले से थोड़े पतले भी दिखे.

फैंस को हुई सलमान खान की चिंता

फैंस सलमान को देखकर उनकी अच्छी सेहत की प्रार्थना कर रहे हैं. वहीं कुछ तो ये यकीन ही नहीं कर पा रहे हैं कि वो सलमान खान हैं. एक यूजर ने लिखा- ये रियल वाले हैं? वहीं एक यूजर ने लिखा- शेरा 57 में फिट हैं और सलमान 60 में ऐसे? वहीं एक यूजर ने लिखा- सलमान खान को जल्द से जल्द ठीक कर दें. वहीं एक यूजर ने लिखा- सलमान बीमार लग रहे हैं. भगवान उन्हें आशीर्वाद दें. एक यूजर ने लिखा- एक बार को मान भी लें कि ये सलमान नकली हैं लेकिन पीछे शेरा तो असली है. वर्क फ्रंट पर सलमान खान फिल्म 'मातृभूमि' में नजर आने वाले हैं. लेकिन ये फिल्म डिले हो गई है. फिल्म का टीजर रिलीज हो गया है. वहीं फिल्म के कई गाने भी रिलीज हो गए हैं. अभी तक फिल्म की रिलीज डेट को लेकर कंफर्मेशन नहीं आई है. इसके अलावा सलमान खान फिल्म SVC63 में दिखेंगे. इस फिल्म में नयनतारा भी नजर आएंगी.

सीता मां का रोल सौभाग्य से मुझे मिला है, मैंने इसे नहीं चुना

नितेश तिवारी की अपकमिंग फिल्म 'रामायण' को लेकर दर्शक काफी एक्साइटेड नजर आ रहे हैं. फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम का करिदार निभा रहे है. वहीं साई पल्लवी सीता के रोल में दिखाई देंगी. हाल ही में साई पल्लवी ने ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान अपने किरदार को लेकर खुलकर बात की. इवेंट के दौरान साई पल्लवी ने कहा, 'एक कलाकार के लिए ऐसे किरदार मिलना आसान नहीं होता, क्योंकि किसी देवी का रोल निभाना बहुत बड़ी जिम्मेदारी है. इसके लिए पूरी टीम अपना दिल और मेहनत लगाती है.'साई पल्लवी ने आगे कहा, 'मुझे नहीं लगता कि मैंने सीता मां का किरदार चुना, बल्कि ये सौभाग्य मुझे मिला है. ये ऐसा रोल नहीं है, जिसके पीछे आप भाग सकते हैं या पहले से तय कर सकते हैं कि इसे कैसे निभाना है. मैं रोज ध्यान करती थी और प्रार्थना करती थी कि सीता मां मेरे जरिए से अभिनय करें. फिल्म के लिए जो भी सबसे सही हो, वही मेरे जरिए सामने आए.' इवेंट में फिल्म के निर्देशक नितेश तिवारी ने भी साई पल्लवी और रणबीर कपूर की जमकर तारीफ की. उन्होंने कहा, 'एक कलाकार की आंखें कभी झूठ नहीं बोलतीं. मैंने रणबीर की आंखों में राम और साई की आंखों में सीता को देखा है. जिस सच्चाई और ईमानदारी की मुझे तलाश थी, वो मुझे इन्हीं दोनों में मिली. फिल्म में मुझे रणबीर और साई नहीं, सिर्फ राम और सीता नजर आते हैं.'

'आर्टिकल 370' ने राष्ट्रीय पुरस्कारों में मारी बाजी

आदित्य धर बोले- सच्चे इरादे से बनाई थी फिल्म

फिल्ममेकर आदित्य धर ने फिल्म 'आर्टिकल 370' को तीन राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने पर खुशी जताई और सभी का धन्यवाद किया. हाल ही में उन्होंने 'धुरंधर: द रिवेंज' का डायरेक्शन किया है. फिल्म 'आर्टिकल 370' ने सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म, सर्वश्रेष्ठ एक्ट्रेस और सर्वश्रेष्ठ संगीत के लिए तीन राष्ट्रीय पुरस्कार अपने नाम किए और अवॉर्ड्स में अपनी खास पहचान बनाई. आदित्य धर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक लंबा नोट शेयर किया. उन्होंने कहा कि 'आर्टिकल 370' के लिए तीन राष्ट्रीय पुरस्कार मिलना उनके लिए बहुत खास पल है. ये उनके लिए गर्व और खुशी की बात है.

उन्होंने कहा कि 'आर्टिकल 370' के लिए तीन राष्ट्रीय पुरस्कार मिलना उनके लिए बहुत खास पल है. ये उनके लिए गर्व और खुशी की बात है. उन्होंने कहा कि जब फिल्म बनानी शुरू की थी, तब उनका मकसद अवॉर्ड जीतना नहीं था. वे सिर्फ एक ऐसी कहानी लोगों तक पहुंचाना चाहते थे, जिसे पूरी ईमानदारी और सच्चाई के साथ बताया जाए. अब दर्शकों का प्यार और राष्ट्रीय पुरस्कार मिलना उनके लिए बेहद खास है.

फिल्म से जुड़े सभी लोगों को दिया श्रेय

उन्होंने आगे कहा, 'इस बड़े सम्मान के लिए मैं जूरी का दिल से धन्यवाद करता हूं. मैं उन सभी लोगों का भी शुक्रिया अदा करता हूं जिन्होंने 'आर्टिकल 370' देखी, इसे पसंद किया, इस पर अपनी राय दी और इस फिल्म पर भरोसा किया. आपके प्यार ने इस फिल्म को सिर्फ पर्दे तक सीमित नहीं रखा, बल्कि लोगों के दिलों तक पहुंचाया.ये सम्मान हमारे डायरेक्टर आदित्य सुहास जांभले का भी है, जिनकी सोच और मेहनत ने फिल्म के हर सीन को खास बनाया. यामी गौतम धर और प्रियामणि का भी, जिन्होंने अपने शानदार एक्टिंग से किरदारों को जीवंत बनाया. शाश्वत सचदेव का भी, जिनके संगीत ने फिल्म को और बेहतर बनाया. हमारी पूरी कास्ट और क्रू का भी, जिनकी कड़ी मेहनत, लगन और भरोसे से ये फिल्म बन पाई.' जियो स्टूडियोज की अध्यक्ष ज्योति देशपांडे ने कहा, 'आर्टिकल 370' के लिए तीन राष्ट्रीय पुरस्कार जीतना हम सभी के लिए बहुत भावुक पल है. मैं इस फिल्म से जुड़े हर व्यक्ति का दिल से धन्यवाद करती हूं और उन पर गर्व महसूस करती हूं. हमने ये फिल्म पुरस्कार जीतने के लिए नहीं बनाई थी. हमारा मकसद एक ऐसी कहानी को सच्चाई, हिम्मत और पूरे भरोसे के साथ लोगों तक पहुंचाना था. हमें खुशी है कि इस फिल्म को दर्शकों का प्यार मिला।

लोगों ने मुझे उस नजर से देखा... 'लॉक अप' में छलका आकांक्षा चमोला का दर्द

नेटफ्लिक्स का रियलिटी शो 'लॉक अप 2' अब अपने चौथे हफ्ते में पहुंच गया है. शो के कंटेस्टेंट्स ने 3 हफ्तों का सफर पूरा कर लिया है और शो अब भी दिलचस्प बना हुआ है. इसी बीच आकांक्षा चमोला एक बार फिर चर्चा में आ गई हैं. हाल ही में शो के टास्क के बाद वो खतरे में थी और बाहर जाने वाली थी. लेकिन उनके सच बोलने की वजह से उन्हें इस हफ्ते सेफ कर दिया गया है, जिसके बाद उन्होंने जनता के सामने खुलकर अपनी बात रखी. शो के तीसरे हफ्ते के आखिर में एक्टर अर्जुन कपूर जजमेंट डे पर 'जनता की आवाज' बनकर पहुंचे. इस बार आकांक्षा चमोला, सूफी, योगेश, हर्षद और शिवांगी खतरे में थे. वहीं फराह खान और रितेश देशमुख के पास किसी एक कैदी को सेफ करने का मौका मिला, जिसमें उन्होंने आकांक्षा चमोला को सच बोलने की वजह से बचा लिया और आगे के लिए उनका हौसला बढ़ाया.

इसी बीच आकांक्षा ने इमोशनल होकर कहा, 'आपका बहुत धन्यवाद. आप लोगों से ये रिस्पेक्ट और भरोसा मिलना मेरे लिए बहुत बड़ी बात है. कुछ महीनों में पूरे देश ने मुझे गलत समझा, क्योंकि मैं किसी की पत्नी हूं. लोगों ने मुझे और मेरे बिहेवियर को उसी नजर से देखा. हालांकि आज मैं ये सब गलतफहमी दूर कर रही हूं कि हर महिला की अलग पर्सनैलिटी होती है. मुझे बहुत खुशी है कि आपने मुझे समझा.' बता दें कि शो की शुरुआत में आकांक्षा ने अपने और गौरव के रिश्ते को लेकर बड़ा सच रिवील किया था और बताया कि दोनों तलाक ले रहे हैं. करीब एक साल से आकांक्षा अलग रह रही थी और अपने करियर पर फोकस करना चाहती हैं. इसके अलावा शो में उनका दूसरा सीक्रेट सामने आया कि वो बाईसेक्सुअल है।

बॉक्स ऑफिस पर 'द ओडिसी' का तूफान

शुक्रवार की तरह ही शनिवार को भी हॉलीवुड फिल्म 'द ओडिसी' का भारतीय बॉक्स ऑफिस पर पूरी तरह से कब्जा रहा. इस फिल्म ने शनिवार को शुक्रवार से भी ज्यादा कमाई की. क्रिस्टोफर नोलन की द ओडिसी ने पहले दिन 17.40 करोड़ रुपये की कमाई की थी. वहीं सैकनिल्क के अर्ली ट्रेंड के मुताबिक दूसरे दिन इस फिल्म ने 22 करोड़ रुपये का तगड़ा कलेक्शन किया है. इसी के साथ इसकी दो दिनों में भारत में कुल कमाई 39.40 करोड़ रुपये हो चुकी है. अजय देवगन की 10 जुलाई को रिलीज हुई फिल्म धमाल 4, द ओडिसी के तूफान के बीच भी शानदार कमाई कर रही है. शनिवार को इसने अपने 9वें दिन अच्छा बिजनेस किया है. सैकनिल्क के अर्ली ट्रेंड के मुताबिक धमाल 4 ने शनिवार को 10 करोड़ रुपये की कमाई की है और 9 दिनों में इसका टोटल कलेक्शन 111.50 करोड़ रुपये हो चुका है.

गायन के लिए उपयोग में आता है चेहरे पाता

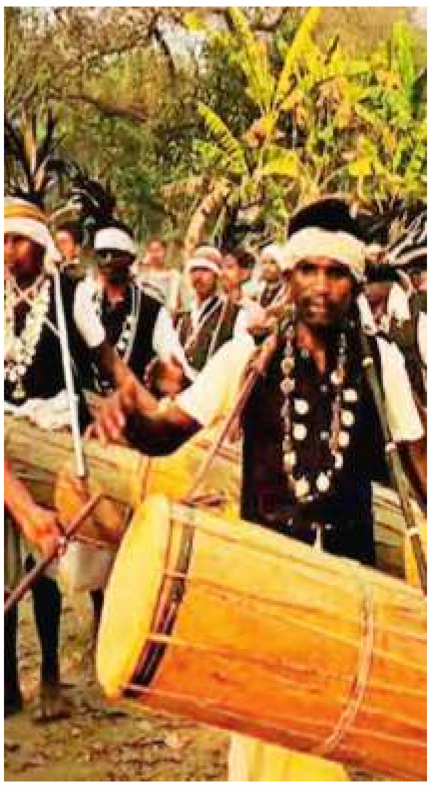

स्वाति आनंद

बस्तर की संस्कृति में 'पाता' का अर्थ गीत या गायन से होता है। मुड़िया-माड़िया सभ्यता में मंडप के नीचे मनोरंजन के लिए गाया जाने वाला यह एक लोकप्रिय गीत है। इसी के साथ हँसी-मजाक और एक-दूसरे के साथ छेड़छाड़ करने वाले इस गीत को 'पासके पाता' भी कहा जाता है। इस नृत्य में वृद्धों से लेकर बच्चों तक, सभी सम्मिलित हो सकते हैं। इस नृत्य में पुरुष नर्तक के कंधे पर लकड़ी का बना एक चेहरा (मुखौटा) होता है। इसके साथ ही तीन या पाँच लकड़ियाँ होती हैं, जिन पर चिड़ियाँ बनी होती हैं। इसका संबंध धागे से रहता है, जो बाँस की एक पटरी से बँधा होता है।

इस पटरी को डंडे से रगड़ने पर चिड़िया के पंख ऊपर-नीचे होते हैं और 'चट-चट' की ध्वनि निकलती है। महिला नर्तक चिटकुल (यानी मंजीरा) बजाकर नृत्य में सम्मिलित होती हैं। कभी-कभी चेहरे नृत्य को 'माओ पाता' या 'कोला पाता' नृत्य के साथ भी जोड़ दिया जाता है। इसी तरह 'चेरतांग पाता' पूस के महीने में डंडार गीतों के समय गाया जाता है। यहाँ गीत गाते समय अपने हाथों में पकड़े हुए डंडे को जमीन पर पटका जाता है।

डंडे की लकड़ी फटी होने के कारण धरती से टकराने पर इसमें कंपन होता है, जिससे एक अलग प्रकार की ध्वनि उत्पन्न होती है और उसमें से गूँज निकलती है। चेरतांग के लिए प्रत्येक गाँव के लड़के-लड़कियाँ लगभग 6 से 7 दिनों तक अपने गाँव से बाहर निकल पड़ते हैं। उनके हाथों में डंडे और सिर पर शृंगार के रूप में अलग-अलग पक्षियों के पंख होते हैं। शृंगार में वे कई प्रकार की चिड़ियों के पंखों को अपने सिर पर कलगी के रूप में धारण करते हैं। गाँव में घरों के सामने, दरवाजों पर जाकर डेरा डालकर यह गीत उत्सव के रूप में गाया जाता है।

मूर्ति और चित्रकार के रूप में छाप छोड़ गए चक्रधारी

चिंताराम सिन्हा 'पुजारी'

धमतरी जिले के महानदी के तट पर बसे एक छोटे से ग्राम डाभा में वर्ष 1935 में छबिलाल चक्रधारी का जन्म हुआ था। आपको चित्रकला और मूर्तिकला के प्रति लगाव विरासत में मिला था। आप कागजों पर महीन चित्रकारी करने के लिए विशेष रूप से जाने जाते थे। आपने इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ से चित्रकला में डिग्री हासिल की। आपसे बालोद, दुर्ग, धमतरी, राजनांदगांव और महासमुंद के साथ-साथ छत्तीसगढ़ के कोने-कोने से रामलीला मंडलियों के लोग पर्दों पर आकर्षक चित्रकारी कराने के लिए संपर्क करते थे। आप मिट्टी, पत्थर, काष्ठ (लकड़ी), प्लास्टर ऑफ़ पेरिस, फाइबर तथा ग्लास (कांच) से जीवंत स्वरूपों का निर्माण करते थे।

मुंबई, भोपाल, रायपुर, राजस्थान और दिल्ली के साथ ही देश के कई हिस्सों में आपकी कला की प्रदर्शनी लग चुकी है। आपकी कलाकृतियों की मांग हमेशा बनी रहती थी। आप छत्तीसगढ़ शासन के अलावा अनेक संस्थाओं द्वारा सम्मानित किए गए थे। जब आप अपने क्षेत्र मगरलोड में 'साहड़ा देव' की मूर्ति को मूर्त रूप दे रहे थे, तभी वर्ष 2003 में हृदयाघात (हार्ट अटैक) के कारण आपकी मृत्यु हो गई।

प्रयोगवादी नाटकों के लेखक डॉ. शंकर शेष

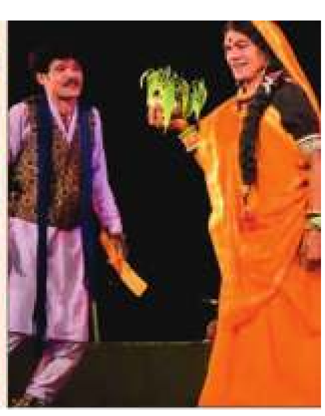

डा. प्रमिला काले

छत्तीसगढ़ी और हिन्दी में नाट्य लेखन के लिए डॉ. शंकर शेष का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। प्रसाद युग के पश्चात् नाटकों की संक्रमणकालीन स्थिति में एक लम्बा अंतराल आता है, जिसमें नाटकों का विकास अवरुद्ध हो जाता है। इस जड़ता और सन्नाटे को डॉ. शंकर शेष ने प्रयोग के धरातल पर कथ्य, शिल्प, भाषा, चरित्र और मंचन आदि सभी में परिवर्तन करके तोड़ा। भाषा प्रयोग के साथ डॉ. शंकर शेष के नाटकों की मंच-सज्जा, नाटक के दृश्यों को उभारकर जहाँ पर्यावरण की पृष्ठभूमि को प्रदर्शित करती है, वहीं प्रतीकों के माध्यम से कथानक और घटनाओं को उद्दीप्त भी करती है। डॉ. शेष के प्रारंभिक नाटक प्रसाद युग से प्रभावित हैं, इसलिए उनमें भाषा की प्रांजलता निहित है। इसके विपरीत उनके नाटकों में क्रमशः जैसे-जैसे रंगमंचीय आसक्ति बढ़ती गई, वैसे-वैसे उनके नाटकों की भाषा जनमानस को रिझाने वाली कहावतों, मुहावरों से युक्त, सांकेतिक पात्रों और भावनाओं के अनुकूल होती गई। यह भाषा पात्रों की हरकतों के साथ जुड़कर सम्प्रेषणीयता से महिमामंडित हुई।

प्रागैतिहासिक काल के शैलचित्र बसनाझर में

डा. आशीषधर दीवान

प्रागैतिहासिक यायावर आदिम शैलचित्र बसनाझर, रायगढ़ जिले के सिंघनपुर से आठ कि.मी. की दूरी पर दक्षिण की ओर अर्धचंद्राकार आकृति में फैली बम्हनीन पहाड़ी पर दो हजार फीट की ऊँचाई पर स्थित है। यहाँ शैलाश्रय में देवोपासना के दृश्य अंकित हैं। इस शैलाश्रय में शिकार के दृश्यों के बजाय मांसल (हट्टे-कट्टे) पशुओं का अंकन अधिक है। यहाँ एक बाइसन (जंगली भैंसा) का सुन्दर और आकर्षक चित्र है; इस चित्र के साथ एक मानवाकृति को उसकी पृष्ठभूमि पर चित्रित किया गया है। इसके साथ ही हिरण, वराह (जंगली सूअर), गोह, हाथी, रीछ और बंदरनुमा आकृतियाँ भी चित्रित हैं। यहाँ सर्वाधिक ध्यान खींचने वाला चित्र देवोपासना का है। इसमें प्रारंभिक कृषकों और पशुपालन के अनेक जीवंत चित्र भी दर्शनीय हैं। पशु-पक्षियों के अंकन में गतिशीलता झलकती है। मानव जीवन के विभिन्न पहलुओं का चित्रण यहाँ इतिहास के पन्नों को उजागर करता दिखाई देता है।

शीतलता खातिर मनाय जाथे जुड़वास

बद्री प्रसाद पारकर

छत्तीसगढ़ के संस्कृति में 'जुड़वास तिहार' मनाए के जुन्ना (पुरानी) परंपरा हे। जुड़वास यानी ठंडकता अउ शीतला यानी शांत स्वभाव; इही दूनों के प्रभाव आय जुड़वास। गाँव म एकरे सेती माता शीतला के मंदिर देखे बर मिलथे। पहिली, गर्मी के निकलती अउ बरसात के शुरूआत म आलस माता, छोटी माता अउ बड़ी माता के प्रकोप ह महामारी के रूप ले लेवत रिहिस। माता के विकराल रूप के प्रभाव चेचक या माता के रूप म पीड़ित व्यक्ति म दिखत रिहिस। इही प्रभाव ल रोके खातिर माता शीतला मंदिर में बैगा के माध्यम ले तेल संग हरदी चढ़ा के पूजा-अर्चना करे जाथे। पहिली ले चलत आवत ए प्रथा के चलन गाँव-देहात म आजो देखे ल मिल जाथे। ए बात अलग हे कि जागरूकता के सेती चेचक के टीका लगे ले अब ए बीमारी लोगन म नइ के बराबर देखे ल मिलथे। इही कारण आए कि आजकल जुड़वास तिहार के महत्ता अब कम होवत जावत हे। पहिली के तुलना में आजकल ए तिहार के सरूप म घलो बदलाव देखे बर मिलत हे।

सुशासन का सशक्त अंक 1076

- सीएम हेल्पलाइन-1076 24 घंटे, सातों दिन संचालित व्यवस्था
- 8 हजार अधिकारी शिकायतों के समयबद्ध समाधान में हैं तैनात
- एक महीने में 42 हजार से अधिक शिकायतों का हुआ समाधान
- 13 जुलाई तक 42,653 शिकायत, 13,600 सहमति से केस बंद कराए

विशेष संवाददाता/शेख आबिद

क्या आपके इलाके की बिजली बिना सूचना के गुल हो गई है? या घर के नल में पानी नहीं आ रहा?क्या बच्चों का प्रमाण पत्र बनवाने के लिए सरकारी दफ्तर के चक्कर काट काट कर आप थक गए हैं? कहीं आपकी जमींन में किसी ने अवैध कब्जा कर लिया है तो सीएम हेल्प लाइन - 1076 है न आपको समस्या से निजात दिलाने के लिए। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन- 1076 छत्तीसगढ़ की जनता के लिए सुशासन सरकार पर भरोसा करने का एक सशक्त माध्यम साबित हो रहा है। प्रशासनिक और नागरिक समस्या का त्वरित माध्यम बन चुके इस सुशासन सरकार का नीति वाक्य है 'समस्या तुंहर, समाधान हमर'...

अब हमारी जनता को दर-दर नहीं भटकना पड़ेगा : सीएम साय

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन केवल शिकायत दर्ज कराने की सुविधा नहीं है, बल्कि यह सरकार की जवाबदेह और नागरिक-केंद्रित कार्यसंस्कृति का सशक्त उदाहरण है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार ऐसा प्रशासन विकसित कर रही है, जहाँ नागरिकों को अपनी समस्या लेकर कार्यालय-दर-कार्यालय भटकना न पड़े। अब केवल एक फोन कॉल के माध्यम से शिकायत दर्ज होती है, उसकी सतत मॉनिटरिंग होती है और निर्धारित समय-सीमा में समाधान सुनिश्चित किया जाता है। इससे शासन और जनता के बीच संवाद अधिक सरल, पारदर्शी और प्रभावी हुआ है तथा प्रशासन के प्रति लोगों का विश्वास मजबूत हो रहा है। तकनीक आधारित यह व्यवस्था सुशासन को व्यवहार में उतारने का प्रभावी माध्यम बन रही है। आने वाले समय में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन का दायरा और अधिक व्यापक किया जाएगा, ताकि प्रदेश के अंतिम व्यक्ति तक भी त्वरित प्रशासनिक सेवाएँ पहुँच सकें।

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ की जनता को अब छोटी-मोटी नागरिक या प्रशासनिक दिक्कतों के लिए दफ्तरों के चक्कर नहीं काटना पड़ता। बस एक बार मुख्यमंत्री हेल्पलाइन- 1076 डायल करने मात्र से उन्हें परेशानियों से निजात मिल जा रही है। इस व्यवस्था की सबसे बेहतरीन खासियत यह है कि हेल्पलाइन नंबर-1076 केवल शिकायत दर्ज करने तक ही सीमित नहीं है। सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दूर होने के बाद कॉल सेंटर से उपभोक्ता को दोबारा फोन करके पूछा जाता है कि वे समाधान से पूरी तरह संतुष्ट हैं या नहीं।

इसलिए अब सीएम हेल्पलाइन आमजनों के भरोसे का सशक्त माध्यम बन गई है। इस 24 घंटे और सातों दिन संचालित होने वाली व्यवस्था में तहसीलदार से सचिव स्तर तक के करीब 8 हजार अधिकारी-कर्मचारी प्राप्त शिकायतों के समयबद्ध निपटारे के लिए जुटे हैं। इन्हीं बेहतरीन और जनहितों के लिए सीएम हेल्पलाइन 1076 के शुरुआती पहले महीने में ही 42 हजार 653 शिकायतों का सफलतापूर्वक निराकरण करने में कामयाबी मिली। इनमे से 13 हजार 600 शिकायतकर्ताओं ने समाधान से संतुष्ट होकर खुद अपनी सहमति से केस बंद कराए हैं।

इन विभागों से संबंधित शिकायतें सर्वाधिक प्राप्त

तकनीक आधारित यह व्यवस्था सुशासन को व्यवहार में उतारने का प्रभावी माध्यम बन रही है।विभागवार आँकड़े बताते हैं कि ऊर्जा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभागों से संबंधित शिकायतें सर्वाधिक प्राप्त हुईं। वहीं समाधान के मामले में भी इन विभागों ने उल्लेखनीय कार्य करते हुए क्रमशः 3,066, 2,530 और 1,314 शिकायतों का सफलतापूर्वक निराकरण किया।

अब व्हाट्सएप पर मिल रहा बी-1, खसरा और डिजिटल लैंड रिकॉर्ड

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन मॉडल के तहत राजस्व सेवाओं में डिजिटल बदलाव अब जमीन पर दिखाई देने लगा है। राज्य सरकार ने व्हाट्सएप आधारित डिजिटल सेवा शुरू कर दी है, जिसके माध्यम से किसानों और आम भूस्वामियों को बी-1 (खतौनी), खसरा (P-II) और डिजिटल ऋण पुस्तिका (किसान किताब) जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेज सीधे मोबाइल पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इससे नागरिकों को पटवारी और सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत मिली है, वहीं समय और धन दोनों की बचत हो रही है।

व्हाट्सएप पर मिल रहे हैं जमीन से जुड़े जरूरी दस्तावेज

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में 8 जुलाई 2026 को मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की समीक्षा बैठक में इस डिजिटल व्यवस्था के विस्तार का निर्णय लिया गया। इसके तहत नागरिक अब आधिकारिक व्हाट्सएप सेवा के जरिए बी-1 (खतौनी), खसरा (P-II) और डिजिटल किसान किताब जैसे दस्तावेज घर बैठे प्राप्त कर रहे हैं। खसरा नंबर या भूस्वामी का नाम दर्ज करते ही कुछ ही सेकंड में डिजिटल हस्ताक्षर और क्यूआर कोड युक्त पीडीएफ दस्तावेज व्हाट्सएप पर उपलब्ध हो जाता है। इससे लोगों को सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत मिली है।

पारदर्शी और उत्तरदायी शासन मॉडल की बनीं पहचान

महज एक माह में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076 ने यह साबित कर दिया है कि जब शासन संवेदनशीलता, तकनीक और जवाबदेही के साथ कार्य करता है, तब सुशासन का लाभ सीधे नागरिकों तक पहुँचता है। "समस्या तुंहर, समाधान हमर" की भावना के साथ संचालित यह पहल आज विकसित छत्तीसगढ़ के जन-केंद्रित, पारदर्शी और उत्तरदायी शासन मॉडल की मजबूत पहचान बन चुकी है। आने वाले समय में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन का दायरा और अधिक व्यापक किया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक श्री सुकांत राजपूत द्वारा ए.आर. प्रिंटर्स, निरंकारी फर्नीचर के पीछे, पंडरी रायपुर से मुद्रित एवं शहरसत्ता, एस-15 प्रियदर्शिनी नगर, सेक्टर 1, मातृ-पितृ छाया अपार्टमेंट, रायपुर (छ.ग.), मोबाईल नं. 98271-81979, फोन नं. 0771-3158142, संपादक - सुकांत राजपूत (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार के लिए जिम्मेदार), महाप्रबंधक - प्रदीप चंद्रवंशी (मो. 70006-81023)। डाक पंजीयन - CG/RYP/DN/70/2025-27